ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

(An India Newspaper)

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 17 | मंगलवार, 2-8 दिसंबर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

आरएसएस नेता के बेटे की हत्या का आरोपी ढेर

● एनकाउंटर में मारा,पुलिस हिरासत से भगाने आए थे 2 साथी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में फिरोजपुर जिले के महामुजोहिया गांव में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेता के बेटे की हत्या का प्रमुख आरोपी मारा गया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के दो साथी उसे पुलिस हिरासत से

छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे, तभी एनकाउंटर शुरू हुआ। फिरोजपुर में 15 नवंबर को दो मोटरसाइकिल सवारों ने आरएसएस नेता बलदेव राज अरोड़ा के बेटे नवीन अरोड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में महामुजोहिया गांव की बस्ती भट्टीयां के निवासी मुख्य आरोपी बादल को बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। फिरोजपुर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पूछताछ के दौरान बादल ने अपने दो साथियों राजू और सोनू के बारे में जानकारी दी।

यूपी के सहारनपुर में भीषण सड़क हादसा

● बजरी भरा डंपर कार पर पलटा,7 की मौत ● सहारनपुर में गाड़ी पिचककर 2 फीट रह गई

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में शुक्रवार को डंपर बेकाबू होकर कार पर पलट गया। हादसे में 4 साल के बच्चे समेत 7 लोगों की मौत हो गई। डंपर में बजरी भरी हुई थी। रफ्तार तेज होने की वजह से डंपर बेकाबू हो गया और बगल में चल रही कार पर पलट गया। डंपर पर लदी बजरी भी कार पर गिर गई। पूरी कार डंपर और बजरी के नीचे दब गई। 5 फीट की कार

2 फीट की बची। डंपर को 3 क्रेन की मदद से किनारे किया गया। जबकि, बजरी हटाने में लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। तब तक कार सवार तड़पते रहे। बाद में कार की छत काटकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि परिवार अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सैयद माजरा गांव से गंगोह जा रहा था। कार में एक ही परिवार के सात लोग सवार थे। गांव से एक किमी दूर हाईवे पर हादसा हो गया। इसमें सभी 7 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

एसआईआर मुद्दे पर ईसी से मिले 10 टीएमसी सांसद

● डेरेक ओ ब्रॉयन बोले-चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच टीएमसी के 10 सासंदों का डेलीगेशन शुक्रवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। सांसदों और चुनाव आयुक्त के बीच करीब 2 घंटे तक मुलाकात चली। मीटिंग से बाहर आने के बाद टीएससी सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने कहा– हम

चीफ इलेक्शन कमिशनर और उनकी टीम से मिले। हमने सबसे पहले उन्हें एसआईआर प्रोसेस की वजह से लगभग 40 मरे हुए लोगों की लिस्ट सौंपी। हमने मीटिंग यह कहकर शुरू की कि मिस्टर कुमार और इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के हाथ खून से रंगे हैं। हमने पांच सवाल पूछे, किसी का भी जवाब नहीं मिला। मीटिंग के अंदर जो हुआ, वो यही है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। विपक्ष 1 दिसंबर से शुरू हो रहे सत्र (विंटर सेशन) में इस मुद्दे पर हंगामा कर सकता है।

भारत आज दुनिया में जिम्मेदारी की आवाज बन गया है

● राजनाथ बोले-भारत शांति और संवाद में विश्वास रखता है ● बिना नाम लिए राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को फिर चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 में कहा कि भारत अब दुनिया में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज है। उन्होंने बताया कि इंडो-पैसिफिक और ग्लोबल साउथ के देश भारत को एक भरोसेमंद साथी मानते हैं। भारतीय सेना के इस संवाद कार्यक्रम का इस वर्ष का शीर्षक रिफार्म टू ट्रांसफॉर्म-

सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत है। यहां राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास रखता है, लेकिन जब बात संप्रभुता और जनता की सुरक्षा की आती है, तो भारत कोई समझौता नहीं करता। भारतीय सशस्त्र बल राष्ट्र-निर्माण और क्षेत्रीय स्थिरता के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। उनकी पेशेवर क्षमता, अनुशासन और दृढ़ता भारत को अपने पड़ोस की चुनौतियों से निपटने की शक्ति देती है। सैन्य नेतृत्व व देश-विदेश के रक्षा विशेषज्ञों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज जिम्मेदारी, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर वैश्विक चर्चाओं को दिशा दे रहा है। हमारी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और सिद्धांतों पर आधारित विदेश नीति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत के प्रति विश्वास बढ़ाया है।

दुश्मन को तबाह कर देगा हमारा सुदर्शन चक्र

● कर्नाटक के उडुपी से ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पीएम मोदी ● पीएम ने नए भारत की शक्ति और संकल्प का किया आह्वान ● कहा-हमारी नीतियां भगवान श्री कृष्ण के श्लोकों से प्रेरित हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक के उडुपी में कई प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। शुक्रवार सुबह जब पीएम मोदी का रोड शो शुरू हुआ तो हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर खड़े नजर आए। जुलूस का रास्ता भगवा झंडों, झंडियों और बैरिकेड्स से

ढका हुआ था। इस दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने नए भारत की शक्ति और संकल्प का आह्वान किया। लक्षकंठ गीता सामूहिक जाप प्रोग्राम में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारा सुदर्शन चक्र दुश्मन को तबाह कर देगा। यह मंजर हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा है। उन्होंने कहा, जब पहले आतंकवादी हमले होते थे तो पिछली सरकारें कुछ नहीं करती थी। लेकिन यह नया भारत है किसी के झुका नहीं है और न ही किसी के अपने नागरिकों की रक्षा से कोई समझौता किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज हमारी सबका साथ, सबका विकास, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीतियां भगवान श्री कृष्ण के इन श्लोकों से प्रेरित हैं।

● **शांति स्थापना करना चाहते हैं और रक्षा करना भी...** अपने संबोधन के दौरान पीए मोदी ने कहा, श्री कृष्ण ने युद्ध की भूमि पर गीता का संदेश दिया था और भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, हम लाल किले की प्राचीर से श्री कृष्ण की करुणा का संदेश देते हैं और उसी प्राचीर से हम मिशन सुदर्शन चक्र का भी उद्घोष करते हैं। देश ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हमारा संकल्प देखा है। हम शांति स्थापित करना भी जानते हैं और शांति की रक्षा करना भी जानते हैं।

नेपाल ने फिर उठाया सीमा विवाद, 100 रुपए के नोट पर छापा नया नक्शा

-कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के इलाके को नेपाल का हिस्सा दिखाया

नई दिल्ली। नेपाल ने फिर भारत के साथ सीमा विवाद को उछाला है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने नया 100 रुपए का नोट जारी किया है, जिसमें देश का नया राजनीतिक नक्शा छापा है। इस नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के वे इलाके भी नेपाल का हिस्सा दिखाए गए हैं जो भारत के अभिन्न अंग हैं। ये वही क्षेत्र हैं जिन्हें लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। दिलचस्प बात यह है कि नए नोट पर पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर हैं और जारी करने की तिथि 2081 बीएस (विक्रम संवत) अंकित है जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के हिसाब से पिछले साल 2024 के आसपास की है यानी यह नोट काफी पहले तैयार किया गया था, लेकिन अब इसे सार्वजनिक किया गया है। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता ने कहा है कि पुराने 100 रुपए के नोट में भी यही नक्शा था और इसे सरकार के 2020 के फैसले के मुताबिक सिर्फ अपडेट किया है। उन्होंने यह भी कहा कि 10, 50, 500 और 1000 रुपए के नोटों में कोई नक्शा नहीं छापा जाता, सिर्फ 100 रुपए के नोट में ही नेपाल का नक्शा छपा होता है। नोट के बाईं ओर माउंट एवरेस्ट और दाईं ओर राष्ट्रीय पुष्प लालीगुरॉन्स का वॉटरमार्क बना है। यह पहला मौका नहीं है जब कोई पड़ोसी देश भारत के क्षेत्र को अपने नक्शे में दिखाकर विवाद खड़ा कर रहा हो। कुछ ही दिनों पहले बांग्लादेश ने भी अपने एक नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर के हिस्सों को अपना क्षेत्र दिखाया था।

संसद में तुरंत बहस हो, बने सख्त ऐक्शन प्लान

● एयर पल्यूशन पर राहुल गांधी की मोदी सरकार को नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा लगातार खराब होती जा रही है। इस बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधीने शुक्रवार को प्रदूषण का मुद्दा उठाया। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किए हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बच्चों का दर्द सबसे गहरी चोट की तरह मांओं के दिल में उतरता है। दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ रहीं ऐसी ही कुछ साहसी मांओं से मिला-वे अपने ही नहीं, बल्कि पूरे देश के बच्चों के भविष्य को लेकर डरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि जहरीली हवा से छोटे-छोटे बच्चे फेफड़ों, दिल और मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, लेकिन इतनी भयावह राष्ट्रीय आपदा के बीच भी केंद्र सरकार हाथ पर हाथ

धरे बैठी है और समय तेजी से हमारे हाथों से फिसल रहा है। भारत को तुरंत इस पर गंभीर चर्चा और निर्णायक कार्रवाई चाहिए, ताकि हमारे बच्चे साफ हवा तक के लिए संघर्ष न करें, बल्कि एक ऐसे भारत में बड़े हों जो उन्हें सेहत, सुरक्षा और उभरने का पूरा आसमान दे सके। राहुल गांधी ने दूसरे पोस्ट में कहा कि मैं जिस भी मां से मिलता हूं, वह मुझसे यही कहती है कि उसका बच्चा जहरीली हवा में सांस लेकर बड़ा हो रहा है। वे डरे हुए और गुस्से में हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से कहा कि हमारे सामने भारत के बच्चों के दम घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं। आपकी सरकार जल्द ही कोई प्लान क्यों नहीं तैयार करती। उन्होंने कहा कि भारत को एयर पॉल्यूशन पर तुरंत संसद में बहस और इस हेल्थ इमरजेंसी से निपटने के लिए एक सख्त लागू करने लायक ऐक्शन प्लान की जरूरत है। हमारे बच्चों को साफ हवा मिलनी चाहिए, बहाने और ध्यान भटकाने वाली चीजें नहीं होनी चाहिए। साथ ही लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वे उन महिलाओं से बात करते नजर आ रहे हैं, जो दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जता रही हैं। वीडियो में महिलाएं अपने बच्चों पर प्रदूषित हवा से पड़ रहे असर के बारे में बात कर रही हैं और कह रही हैं कि स्वास्थ्य खराब है।

...लंबे समय तक स्वास्थ्य और आर्थिक नुकसान होगा

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर इस मुद्दे को अभी नजरअंदाज किया गया तो इससे देश को लंबे समय तक स्वास्थ्य और आर्थिक नुकसान होगा। साथ ही महिलाओं ने कहा कि सरकार सही हेल्थ एडवाइजरी क्यों नहीं जारी कर रही है या तुरंत बचाव के उपाय क्यों नहीं कर रही है। राहुल गांधी ने इसके जवाब में कहा कि प्रदूषण इसलिए बढ़ रहा है, क्योंकि पक्षकारों को मौजूदा सिस्टम से फायदा होता है।

भारत के तेजस में कोई समस्या नहीं, काफी बेहतर है रिकार्ड

● एचएएल चीफ का साफ संदेश,बताई तेजस की खासियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने दुबई एयर शो में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के क्रैश होने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना से तेजस कार्यक्रम के भविष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एएनआई के नेशनल सिक्योरिटी समिट में रक्षा निर्यात पर बोलते हुए डीके सुनील ने कहा- तेजस में बिल्कुल कोई समस्या नहीं है। मैं इस मंच से ये घोषणा करता हूं। यह एक बहुत शानदार एयरक्राफ्ट है। यह पूरी तरह सुरक्षित है और इसका सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया में सबसे बेहतरीन है।

दुबई में जो हुआ, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। इसका तेजस के भविष्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें कि यह पहला मौका था जब तेजस विदेशी धरती पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। वहीं जब से तेजस बना है तब से केवल दो बार ही क्रैश हुआ है। वहीं 1993 से 2013 तक दुनिया की सुपरपावर कहे जाने वाले अमेरिका में 174 एयरशो क्रैश हुए, जिनमें 91 लोग मारे गए।

4 दिसंबर को भारत आएंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

● रूस और यूक्रेन जंग के बाद पहली बार आ रहे भारत ● रूसी तेल और एस-400 मिसाइल पर होगी बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 दिसंबर को 2 दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे। 2022 में यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। पुतिन 23वीं भारत-रूस समिट में भाग लेंगे। ये भारत और रूस के बीच होने वाली सालाना बैठक का हिस्सा है। हर साल दोनों देश बारी-बारी से इस बैठक की मेजबानी करते हैं। इस बार भारत की बारी है। समिट के दौरान पुतिन पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेता क्रूड ऑयल डील के साथ एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीद और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बात कर सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पुतिन के

सम्मान में स्टेट डिनर देंगी। रूसी तेल खरीद की वजह से अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगा रखा है।

● **डिफेंस समझौते पर सबसे ज्यादा फोकस रहेगा**– पुतिन की इस यात्रा में सबसे ज्यादा फोकस डिफेंस समझौते पर रहेगा। रूस पहले ही कह चुका है कि वो भारत को अपना एसयू–57 स्टेल्थ फाइटर जेट देने के लिए तैयार है। यह रूस का सबसे एडवांस लड़ाकू विमान है। भारत पहले ही अपने वायुसेना बेड़े को मजबूत करने के लिए नए विकल्प तलाश रहा है। इसके अलावा भविष्य में एस–500 पर सहयोग, ब्रह्मोस मिसाइल का अगला वर्जन और दोनों देशों की नौसेनाओं के लिए मिलकर वॉरशिप बनाने जैसी योजनाओं पर बातचीत होने की उम्मीद है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारत रूस से कुछ और एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने पर बातचीत हो सकती है। क्योंकि यह पाकिस्तान के खिलाफ हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान काफी प्रभावी रहे थे।

सेन्यार के बाद चक्रवात 'दितवाह' बरपाएगा कहर

● देश के 5 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेन्यार का असर अभी खत्म नहीं हुआ कि एक और चक्रवाती तूफान दितवाह की वजह से मौसम ने दक्षिण भारत में कहर ढाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में नए तूफान का अलर्ट जारी किया है। दोनों ही तूफानों का असर भारत में देखा जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दितवाह तूफान दक्षिण भारत के राज्यों में तबाही मचाने वाला है। इन तूफानों की वजह से पहले से ही तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश का मौसम बिगड़ा हुआ है। आईएमडी ने बताया कि गुरुवार कोही बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका है। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान दितवाह काफी तबाही मचा सकता है। ऐसे में प्री साइक्लोन अलर्ट जारी कर दिया गया है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल के तटों पर इसका असर ज्यादा देखा जाएगा। ऐसे में मछुआरों को समंदर में ना उतरने की सलाह दी गई है। चक्रवाद दितवाह की वजह से दक्षिण के पांच राज्यों में मध्य से भारी बारिश होनें की संभावना है।

एमसीडी में फर्जी हाजिरी पर रोक, अब छुट्टी का आवेदन सीधे सैलरी पोर्टल से

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने हाजिरी में होने वाले फर्जीवाड़े पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पहले कई कर्मचारी बिना कार्यालय आए कई दिनों की छुट्टी लेकर, वेतन बनने से पहले अधिकारियों से मिलीभगत कर अपनी हाजिरी लगवा लेते थे, जिससे निगम को लाखों का नुकसान होता था और ईमानदार कर्मचारियों पर भी इसका गलत असर पड़ता था। इसे खत्म करने के लिए अतिरिक्त आयुक्त (वित्त) वीर सिंह यादव ने एचआरएमएस लीव पोर्टल की पहल लागू की है, जिसके तहत अब छुट्टी व हाजिरी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। नई व्यवस्था में कर्मचारियों को छुट्टी या एलटीसी के लिए अलग फाइल या बिल लगाने की जरूरत नहीं होगी और वे सीधे सैलरी पोर्टल से आवेदन कर सकेंगे। 10 दिन की लीव एनकैशमेंट की राशि भी सिस्टम खुद गणना कर उसी महीने के वेतन में जोड़ देगा। पहले एलटीसी क्लेम को पास कराने में ईसी/बीसी या डीडीओ स्तर से गुजरना पड़ता था, लेकिन अब यह पूरा कार्य स्वतः सैलरी पोर्टल के माध्यम से पूरा होगा, जिससे कर्मचारियों को भुगतान तेज़ी से और बिना देरी के मिलेगा। नई व्यवस्था से समय की बचत, पारदर्शिता और प्रशासनिक कुशलता बढ़ेगी, जिसे कर्मचारियों ने भी स्वागतयोग्य कदम बताया है।

रेखा गुप्ता ने महात्मा ज्योतिबा फुले को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को महान समाज सुधारक और शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महात्मा फुले का जीवन एक ऐसे दीपक की तरह था, जिसने अंधकार से जूझते समाज को शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाया। वंचितों, महिलाओं और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए फुले द्वारा किए गए अद्वितीय कार्य आज भी देश की सामाजिक चेतना को दिशा देते हैं। महात्मा फुले का योगदान आज भी एक मार्गदर्शक प्रकाश की तरह समाज में उपस्थित है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सात महीने बाद 68 मामलों में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सात महीने से फरार चल रहे कुख्यात बदमाश तरुण को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर 68 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह थाना अमन विहार का घोषित बदमाश (बीसी) है। इसके साथ ही करोल बाग में एनआरआई महिला से चेन स्नैचिंग के एक चर्चित मामले का भी खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शुक्रवार को बताया कि इस साल अप्रैल में अमेरिका के कैलिफोर्निया से आई महिला पर्यटक के साथ करोल बाग में स्नैचिंग की घटना हुई थी। पांच अप्रैल की सुबह करीब 11:50 बजे महिला ने पीएनबी एटीएम, पदम सिंह रोड से पैसे निकाले थे। इसी दौरान काली स्कूटी पर आए दो बदमाशों ने उनकी करीब 15 ग्राम वजन वाली सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर स्कूटी चलाने वाले राहुल को गिरफ्तार कर लिया था और चेन भी बरामद कर ली गई थी। लेकिन उसका साथी तरुण फरार था। अदालत ने उसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 24 नवंबर को हेड कांस्टेबल सुनील को तरुण के अमन विहार में होने की गुप्त जानकारी मिली। इसके बाद इंस्पेक्टर महिपाल की देखरेख में पुलिस टीम ने आरोपित को घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में तरुण ने कबूल किया कि स्नैचिंग के समय वह मौजूद था और उसी ने चेन छीनी थी। जबकि स्कूटी राहुल ने चोरी की थी। चेन बेचने के बाद उसे छह हजार रुपये मिले थे। उसने बताया कि वह नशे का आदी है और पैसों के लिए वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार जांच में पता चला है कि तरुण अब तक 68 आपराधिक मामलों, स्नैचिंग, चोरी, लूट, सेंधमारी और आर्म्स एक्टमें शामिल पाया गया है। वह 9वीं पास है और कभी-कभी अंडे बेचने तथा ड्रम बजाने का काम करता है।

हत्या के मामले में फरार आरोपित 25 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 25 वर्षों से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी देराज उर्फ राज सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली, उप्र और उत्तराखंड में टैक्सी ड्राइवरों की हत्या कर गाड़ियां लूटने वाले गैंग से जुड़ा हुआ था। वह चार हत्या व लूट के मामलों में भगोड़ा था और पुलिस से बचने के लिए नई पहचान के साथ रह रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि मामला साल 2001 का है। न्यू अशोक नगर इलाके में दो व्यक्ति गंभीर हालत में मिले थे, जिनमें से एक की मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया था कि देराज और उसके साथी टैक्सी किराए पर लेते थे, रास्ते में ड्राइवरों की हत्या कर कार नेपाल में बेच देते थे। उस समय दो आरोपित पकड़े गए थे लेकिन देराज और उसका साथी अजय लांबा फरार हो गए थे। क्राइम ब्रांच की एनडीआर टीम ने उसकी गिरफ्तारी के लिए महीनों निगरानी की। आरोपित के भाई धीरेंद्र को पहले ही पैरोल जंप करने पर गिरफ्तार किया जा चुका था। इसी दौरान पता चला कि देराज ने नाम बदलकर राज सिंह रख लिया है और उप्र के सिकंदरपुर कलां क्षेत्र में अलग रह रहा है। पुलिस उपायुक्त ओ अनुसार सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपित को दबोचा। पूछताछ में देराज ने कबूल किया वह साल 1999 से 2001 के बीच हल्द्वानी, अल्मोड़ा और लोहाघाट में दर्ज अन्य हत्या और लूट की वारदातों में भी शामिल था। आरोपित को कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है, जबकि उसका साथी अजय लांबा अब भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है।

दिल्ली पुलिस का 'साइबर संवाद 2.0' कार्यक्रम, 1000 से अधिक स्कूलों के लाखों विद्यार्थियों से सीधा संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शिक्षा निदेशालय और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4सी) के सहयोग से शुक्रवार को 'साइबर संवाद 2.0' के तहत शिक्षकों और स्कूली बच्चों के लिए एक वर्चुअल साइबर जागरूकता सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में हुआ। सत्र में दिल्ली के करीब 1000 से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों के लाखों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने हाइब्रिड माध्यम से भाग लिया। जबकि एनडीएमसी के करीब 250 विद्यार्थी और शिक्षक कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली पुलिस के पीआरओ संजय त्यागी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी और I4सी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की साइबर बुलिंग या ऑनलाइन उत्पीड़न के मामलों में अभिभावक और शिक्षक बिना हिचक पुलिस से संपर्क करें। कार्यक्रम में दीप ग्रुप द्वारा साइबर अपराध जागरूकता पर आधारित एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के महत्व से जोड़ते हुए खूब प्रभावित किया। इसके बाद आईएफएसओ के एसीपी मनोज कुमार ने बच्चों को तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल पहचान की सुरक्षा, साइबर बुलिंग, साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, फर्जी जॉब ऑफर, साइबर स्लेवरी और डिजिटल अरेस्ट जैसे खतरों के बारे में जागरूक किया। छात्रों को दो-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्षम करने, सतर्क रहने और साइबर सुरक्षा से जुड़े एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर अपराध की रिपोर्टिंग में 'गोल्डन आवर' के महत्व पर भी प्रकाश डाला। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह छात्रों, शिक्षकों और नागरिकों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए निरंतर जागरूकता और प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बेगमपुर में सड़क, सीवर और समुदाय भवन के कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ करें पूरे: रविन्द्र इन्द्राज

–समाज कल्याण मंत्री ने उप महापौर के साथ वार्ड 27 बेगमपुर में स्वच्छता और विकास कार्यों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने उप महापौर एवं स्थानीय पार्षद जय भगवान यादव के साथ वार्ड-27 बेगमपुर में शुक्रवार को सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्र में पानी की लाइनों और सीवर लाइन नेटवर्क का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेगमपुर में सड़क, सीवर, नालों, पुलिया और समुदाय भवन के अधूरे कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ जल्द पूरे करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के समय हुए कार्यों में अनियमितताएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि या तो कई कार्य किए ही नहीं गए, और जो काम हुए, उनमें भ्रष्टाचार की गहरी परतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्टाचार के गड्ढे को भरने और जनता को राहत देने के लिए आज संबंधित अधिकारियों के साथ पूरे क्षेत्र का दौरा किया गया है।

समाज कल्याण मंत्री ने डीएसआईआईडीसी को बाँके बिहारी रोड पर अधूरे पड़े सड़क एवं नाले के निर्माण कार्य को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी को मुख्य मार्ग पर स्थित नाले का लंबित कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को शमसान रोड पर पुलिया निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए।

बेगमपुर स्थित सामुदायिक भवन में लंबित बिजली कनेक्शन का कार्य तुरंत पूरा कर स्थानीय लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। बरवाला रोड पर चल रहे सड़क और सीवर के कार्यों का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने संबंधित विभागों को इन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियाँ निर्धारित समय-सीमा में अपने-अपने कार्य पूरे करें, ताकि जनता को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है और माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर वार्डों और विधानसभाओं की समस्याओं का समाधान निर्धारित अवधि में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा

कि सरकार की प्राथमिकता विकास और जनता को सुविधाएँ प्रदान करना है और विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है।

आईपी विश्वविद्यालय ने किया कनाडियन विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपी विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने के लिए इंटरनेशनल बिजनेस यूनिवर्सिटी, कनाडा के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते पर आईपी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक और कनाडियन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और कुलपति डॉ. असिमा वर्जिना ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रो. विजिता सिंह अग्रवाल, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय मामलों, और प्रो. ए. के. सैनी, निदेशक, विकास, भी उपस्थित थे। इस साझेदारी के तहत, दोनों संस्थान अनुसंधान, संयुक्त प्रकाशनों, और छात्र और संकाय आदान-प्रदान

पर सहयोग करेंगे। समझौते में अनुसंधान छात्रों की सह-पर्यवेक्षण और सेमिनार और सम्मेलनों में भागीदारी भी शामिल है। कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू करने के लिए भी चर्चा चल रही है। इस पहल का उद्देश्य शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों और संकाय सदस्य के बीच संबंध मजबूत होंगे। एमओयू से ज्ञान साझा करने और अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक जुड़ाव के लिए नए अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ेगी। विश्वविद्यालय ने विदेशों में उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ कई दर्जन समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यहाँ अंतरराष्ट्रीय मामलों का एक निदेशालय है जो विभिन्न अंतर-सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों का निर्माण कर रहा है।

रेखा गुप्ता के रोड शो में उमड़ा जनसमर्थन, भाजपा को प्रचंड जीत के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राजधानी के शालीमार बाग-बी, चांदनी चौक (वार्ड 74) और अशोक विहार (वार्ड 65) में आयोजित रोड शो में शामिल होकर जनता से भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान करने की अपील की। रोड शो के दौरान मिले अपार जनसमर्थन और उत्साह को उन्होंने भाजपा की प्रचंड विजय का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि बीते 8 महीनों में सड़क, सफाई, स्वास्थ्य और विकास कार्यों में हुई प्रगति ने लोगों के भरोसे को मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 30 नवंबर को कमल का बटन दबाकर शालीमार बाग से श्रीमती अनिता जैन, अशोक विहार से श्रीमती वीना असीजा और चांदनी चौक से श्री सुमन कुमार गुप्ता को विजयी बनाएं, क्योंकि जनता का हर एक वोट दिल्ली के विकास और परिवारों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित होगा। उन्होंने कहा कि आज गली-गली में दिख रहा जनउत्साह स्पष्ट कर रहा है कि आगामी चुनाव में 12 में से 12 सीटों पर भाजपा की जीत तय है, क्योंकि दिल्ली की जनता विकास, बेहतर सुविधाओं और परिवर्तन के लिए भाजपा पर भरोसा जता रही है।

देशभक्ति संगीत समारोह 'संकलन-4' में विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों ने बढ़ाया कार्यक्रम का मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर सभागार में आर्ट क्रिएशन्स कल्चरल सोसाइटी द्वारा देशभक्ति पर आधारित विशेष संगीतमय कार्यक्रम ÷संकलन-4-एक शाम देश के नाम÷ का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न क्षेत्रों जैसे प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, न्यायपालिका, चिकित्सा, सामाजिक कार्य और कला जगत से जुड़ी अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में कोर्ट स्टाफ, सरकारी अधिकारी, दिल्ली पुलिस अधिकारी, तिहाड़ जेल अधिकारियों, तिहाड़ आइडलर्स कंटेस्टेंट और रिफॉर्म डांस अकादमी के छात्रों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने मंच पर लाइव प्रस्तुति देकर देशभक्ति का रंग जमाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीएम एस.एस. परिहार उपस्थित रहे, जबकि विशेष अतिथियों में संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.एस. सागर, पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव जैन, एडीएम राजीव रंजन, एसडीएम संजय कुमार अंबस्ता, एसडीएम मनीष चंद्र वर्मा, सीआरपीएफ की 5वीं बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र मेहरा, दिल्ली जलबोर्ड के मनोज कुमार, प्रो. डॉ. राजेंद्र के. धमीजा, जेल अधीक्षक प्रशांत राघव, उपअधीक्षक योगेंद्र सिंह, डॉ. विजेंद्र शर्मा, गायक सिकंदर राजा हसन, एस. सुनील, इंस्पेक्टर राममनोहर मिश्रा, यतेन्द्र कुमार, संचित मित्तल, अनिल शर्मा सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जज संजीव जैन द्वारा सुनाई गई संवेदनशील कविता ने दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। इस अवसर पर आयोजक और संस्था के अध्यक्ष नरेश बैसला तथा महासचिव रचना जैन ने बताया कि

सोसाइटी समय-समय पर देशभक्ति और सामाजिक विषयों पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती रही है, जिनमें संकलन-1, संकलन-2 और संकलन-3 की सफलता विशेष रही है। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी नरेश बैसला, रचना जैन, मांगे राम, पंकज चौहान, मयंक जैन, सरिता, मोंटू कुमार, अमित सिंह, ममता बैसला, ऋषव बैसला, वेद प्रकाश और वीर भान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आईपी सिंह बावा और बबिता सिंह ने किया। आयोजकों के अनुसार इस लाइव म्यूजिकल सीरीज़ की लोकप्रियता हर आयोजन के साथ लगातार बढ़ती जा रही है।

यमुनापार को जल्द मिलेगा गंगाजल, लोगों में खुशी : दर्शन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 28 नवंबर (वेब वार्ता)। यमुनापार के लाखों लोगों के लिए राहत की खबर है। वरिष्ठ भाजपा नेता और नवीन शाहदरा जिले के पूर्व उपाध्यक्ष दर्शन सिंह ने कहा कि अगर काम मौजूदा गति से चलता रहा तो अगले साल जून-जुलाई से इलाके की जनता को पूरे दिन गंगाजल उपलब्ध होने लगेगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली की ट्रिपल इंजन सरकार इस परियोजना को तेजी से पूरा करने में जुटी है, जबकि पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने लोगों को मुफ्त पानी के नाम पर दूषित और बदबूदार पानी पिलाया, जिससे कई लोग बीमार हुए। दर्शन सिंह ने बताया कि भागीरथी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से शाहदरा, ग्रेटर कैलाश और लाजपत नगर के जल विहार तक 20 किमी लंबी, 1500 एमएम की नई पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिसमें लगभग 60त्न काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना पर जल बोर्ड द्वारा लगभग Rs 272 करोड़ खर्च होने का अनुमान है, जिसमें से 147.80 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। पुरानी 1200 एमएम की पाइपलाइनों में लगातार लीकेज की समस्या थी, जिससे पानी की भारी बर्बादी और सप्लाई में कमी होती थी। नई लाइनें इस समस्या को दूर करेंगी और यमुनापार के लोगों को स्वच्छ गंगाजल उपलब्ध कराएँगी। दर्शन सिंह ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा दूषित जल आपूर्ति जनता से बड़ा विश्वासघात था, जिसका अब समाधान होने जा रहा है।

कांग्रेस ने निगम उपचुनाव में दिल्लीवासियों से 'हाथ' के पक्ष में मतदान की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कंस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान 30 नवंबर को होने वाले 12 वार्डों के निगम उपचुनाव में कांग्रेस को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली को भाजपा और आम आदमी पार्टी की झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार की राजनीति से मुक्त करना है, तो दिल्लीवासियों को प्रदूषण, टूटी सड़कें, बिगड़ी कानून व्यवस्था, दूषित पानी और 2500 रुपये मासिक व 500 रुपये में सिलेंडर जैसे झूठे वादों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के 'हाथ' वाले बटन को दबाना चाहिए।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस ने एक वीडियो भी प्रदर्शित किया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे शीला दीक्षित सरकार के 15 वर्षीय विकास को भाजपा और आप की 12 वर्षों की सरकारों ने प्रभावित किया। कांग्रेस नेताओं ने अशोक विहार वार्ड में वोट चोरी के कथित मामले को भी उजागर किया, जहां एक ही व्यक्ति की फोटो 91 बार वोटर लिस्ट में मौजूद पाई गई।

कार्यक्रम में देवेंद्र यादव के साथ एआईसीसी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, महिला कांग्रेस प्रमुख अल्का लांबा, एससी विभाग अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। प्रेस वार्ता का संचालन अनिल भारद्वाज ने किया।

देवेंद्र यादव ने कहा कि शीला दीक्षित सरकार ने दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाया–ग्रीन कवर बढ़ाया, परिवहन व्यवस्था सुधारी, फ्लाईओवर बनाए, मेट्रो का विस्तार किया, गरीबों के लिए 56,000 मकान बनाए, 24 घंटे बिजली, मुफ्त पेयजल और बेहतर स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित कीं। इसके विपरीत, वर्तमान सरकारों के दौरान दिल्ली प्रदूषण, कूड़े के पहाड़, टूटी सड़कों, रुकी पेंशन और कमजोर कानून व्यवस्था से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आप दोनों ने दिल्ली के विकास को पीछे धकेला है।

काजी निजामुद्दीन ने कहा कि आज आम आदमी पार्टी और भाजपा की नीतियों के कारण रोजगार खत्म हो रहे हैं और झुग्गियों को उजाड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव का सीधा असर सत्ता परिवर्तन पर भले न हो, लेकिन यह भ्रष्टाचार और जनता-विरोधी नीतियों के खिलाफ दिल्ली की आवाज होगा।

अल्का लांबा ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। अमेरिका की ओर से दिल्ली यात्रा को लेकर जारी सुरक्षा सलाह इसका प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था लचर है।

राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि आप और भाजपा ने दलितों, गरीबों और वंचित छात्रों की उपेक्षा की है। प्रतिभा विकास विद्यालयों का नाम बदलने के बाद आधी सीटें निजी स्कूलों के छात्रों के लिए आरक्षित कर दी गईं, जिससे गरीब बच्चों के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा को महंगा बनाकर आप सरकार ने गरीब छात्रों के अवसर छीन लिए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दिल्ली का भविष्य बचाने और विकास की राह पर लौटने का एकमात्र विकल्प कांग्रेस है, और उपचुनाव में इसकी जीत शहर के बदले हुए माहौल की शुरुआत होगी।

एनसीआर में चल रहा इंटरनेशनल अफ्रीकी ड्रग कार्टेल ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो ने संयुक्त अभियान चलाकर दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय अफ्रीकी ड्रग गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह अभियान दोनों राज्यों में अब तक की सबसे बड़ी संयुक्त कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। कई ठिकानों पर दबिश देकर कार्टेल को गिरफ्तार कर करोड़ों की ड्रग्स बरामद की गई और 30 अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेकर डिपोर्टेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई। बरामद ड्रग्स करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य की आंकी गयी है। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर में शामिल आरोपितों की मौजूदगी दिल्ली के कई इलाकों में होने की सूचना क्राइम ब्रांच को मिली थी। इसके बाद दोनों एजेंसियों ने कई दिनों तक तकनीकी और मैनुअल निगरानी करके आरोपितों के ठिकाने चिन्हित किए। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि पकड़ा गया कार्टेल लंबे समय से दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किराए के मकानों से ड्रग्स सप्लाई कर रहा था। संयुक्त कार्रवाई में कई जगहों पर एक छापेमारी की गई। इनमें मोहन गार्डन, उत्तम नगर में छापेमारी कर आरोपित ज़ैनब क्योबुतंगी उर्फ पामेला को पकड़ा। उसके पास से 195 ग्राम कोकीन, 24 ग्राम एमडीएमए और 40,500 नकद बरामद किया गया। उसके बाद संत गढ़, तिलक नगर में हुई छापेमारी में बेकी उर्फ बेकी (नाइजीरिया) को दबोचा गया। इसके पास से 5,209 एक्स्टेसी (एमडी) गोलियां, 35.46 ग्राम कोकीन और 78,000 नकद बरामद किया। वहीं बेकी ने पूछताछ में बताया कि उसने हाल ही में ड्रग्स फैंक नामक नाइजीरियाई नागरिक को सप्लाई की थी। पुलिस ने बेकी की निशानदेही पर फैंक के घर रेड से 60 एमडी गोलियां बरामद कीं।

हिंदूराव अस्पताल ने मनाया 75वां स्थापना दिवस, स्वास्थ्य सेवा में करुणा और समर्पण की 75 वर्ष की यात्रा पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आने वाले राजधानी के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्थानों में से एक, हिंदूराव अस्पताल ने अपना 75वां स्थापना दिवस और वार्षिक दिवस 2025 बड़े उत्साह के साथ मनाया। पिछले सात दशकों से अधिक समय में अस्पताल ने विशेष रूप से गरीब एवं वंचित वर्गों को सुलभ, मानवीय और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समारोह में मेयर सरदार राजा इक़बाल सिंह, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, निगम आयुक्त अश्विनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश नारनौलिया, निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. राजेश के. बंसल समेत अस्पताल के चिकित्सक और स्टाफ उपस्थित रहे।

समारोह में मुख्य अतिथि मेयर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने अस्पताल के 75 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि हिंदूराव अस्पताल ने हमेशा ज़रूरतमंद मरीजों के प्रति सहानुभूति, करुणा और समर्पण का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक संसाधनों की चुनौतियों के बावजूद डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ ने जिस निष्ठा के साथ सेवाएँ दी हैं, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने सभी स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मजबूती से खड़ा है।

निगम आयुक्त अश्विनी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदूराव अस्पताल का इतिहास न केवल लंबा और समृद्ध रहा है, बल्कि दिल्ली की जनता के प्रति इसके योगदान ने इसे एक विश्वसनीय स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि डॉक्टरों को देवतुल्य माना जाता है क्योंकि वे अपने ज्ञान, सेवा और संवेदना से लोगों को जीवनदान देते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वर्तमान कमियों को दूर किया जाएगा और निगम स्वास्थ्य सुविधाओं को और उन्नत व सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की 75 वर्षों की गौरवशाली विरासत को सम्मान देना और संस्थान से जुड़े सभी कर्मचारियों में गर्व, एकता और प्रेरणा की भावना को मजबूत करना था।

शिकायतकर्ता से सीधा संपर्क कर उसकी संतुष्टि महत्वपूर्णः परमजीत चहल

● एसडीएम ने समाधान शिविर में शिकायतों की समीक्षात्मक बैठक कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

संवाददाता

गुरुग्राम। एसडीएम परमजीत चहल ने शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समाधान शिविर में प्राप्त सभी जन शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं इन शिकायतों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

एसडीएम ने कहा कि नागरिकों को सुलभ और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आरंभ की गई समाधान शिविर पहल का उद्देश्य जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना और समस्याओं का समाधान एक ही मंच पर सुनिश्चित करना है। एसडीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि शिकायत का निपटारा केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता से सीधा संपर्क कर उसकी संतुष्टि प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

समाधान के बाद प्राप्त फीडबैक को पोर्टल पर अपडेट करना भी आवश्यक है ताकि कोई भी शिकायत दोबारा न खुले। उन्होंने कहा कि

प्रत्येक विभाग अपनी विभागीय प्रगति की पारदर्शी प्रस्तुति सुनिश्चित करे। इसके लिए सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि समीक्षा बैठक से एक दिन पूर्व ही पोर्टल पर हल की गई शिकायतों को अपडेट कर निपटान श्रेणी में दर्ज करें, ताकि समीक्षा बैठक के दौरान केवल वास्तविक लंबित मामलों की चर्चा हो।

एसडीएम परमजीत चहल ने कहा कि अब तक आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है, जिससे नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास और पारदर्शिता की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकने को मजबूर न हो। एसडीएम परमजीत चहल ने बताया कि अभी तक कुल 7859 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से 6763 का समाधान किया जा चुका है। 220 शिकायतें समाधान की प्रक्रिया में हैं। 342 शिकायतों को रिजेक्ट किया गया है तथा 30 शिकायतें अभी लिटिगेशन में हैं। बैठक में सीटीएम सपना यादव, सोहना एसडीएम अखिलेश सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरने पर दो संस्थानों पर नगर निगम ने लगाई सील

● सेक्टर-29 स्थित पिंड बलूची रेस्तरां व सेक्टर-16 स्थित एमएस साइकॉम लिमिटेड पर करोड़ों के करीब टैक्स बकाया

संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स राशि की वसूली को लेकर जारी अपने अभियान के तहत शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण संपत्तियों को सील कर प्रशासनिक सख्ती दिखाई है। दोनों मामलों में संबंधित प्रॉपर्टीज पर करोड़ों रुपये के करीब बकाया राशि दर्ज है। निगम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर नियमों के तहत सीलिंग कार्रवाई पूरी की। शुक्रवार को जोनल टैक्सेशन अधिकारी बीएस छोक्कर की टीम ने सेक्टर-29 स्थित पिंड बलूची को सील कर दिया। इस प्रॉपर्टी पर 50,44,901 रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। इसके अतिरिक्त सेक्टर-16 स्थित एमएस साइकॉम को भी सीलिंग का सामना करना पड़ा। इस पर 75,46,116 रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से बकाया चल रही राशि जमा न होने पर इन प्रॉपर्टीज को सील किया गया है। निगम टीम ने मौके

पर पहुंचकर औपचारिक कार्रवाई की और संबंधित को बकाया जल्द जमा कराने के निर्देश दिए। निगम अधिकारियों के अनुसार, बार-बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद भुगतान न होने के चलते यह कदम उठाया गया।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि हरियाणा नगर निगम अधिनियम के तहत नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित सभी रिहायशी, वाणिज्यिक, औद्योगिक, संस्थागत भवनों और खाली प्लाट मालिकों को प्रतिवर्ष प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करना अनिवार्य है। सभी संपत्ति मालिकों को समय पर टैक्स जमा कराने की अपील की गई है। निगम ने स्पष्ट किया है कि आगे भी ऐसे मामलों में निरंतर अभियान चलाया जाएगा।

गुरुग्राम में बेसहारा कुत्तों की समस्या के समाधान को नगर निगम ने उठाया कदम

संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने और रेबीज संक्रमण को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम के तहत व्यापक नसबंदी एवं मास टीकाकरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इस दो वर्षीय अभियान को लागू करने की जिम्मेदारी मां बगलामुखी सेवा समिति, जबलपुर को सौंपी गई है। नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह अभियान 29 नवंबर 2025 से 28 नवंबर 2027 तक चलेगा। एजेंसी को प्रति कुत्ता नसबंदी शुल्क 700 रुपये तथा मास टीकाकरण/प्रतिरक्षण शुल्क 250 रुपये दिया जाएगा। इससे शहर में कुत्तों की आबादी को वैज्ञानिक और मानवीय तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा और हर कुत्ते को समय पर रेबीज रोधी टीका लगाकर संक्रमण का खतरा कम होगा। अभियान से संबंधित सभी कार्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नगर निगम गुरुग्राम की देखरेख तथा स्वीकृति के अनुसार ही किए जाएंगे। निगरानी और रिपोर्टिंग की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि अभियान प्रभावी और पारदर्शी तरीके से पूरा हो सके। गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की संख्या और उनमें रेबीज के संभावित खतरे को देखते हुए यह पहल शहर के नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इस व्यापक अभियान के माध्यम से पशु कल्याण को बढ़ावा मिलेगा, आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित होगी और शहर के लोगों को सुरक्षित माहौल प्राप्त होगा। नगर निगम गुरुग्राम ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है ताकि इस अभियान को सफल बनाया जा सके और गुरुग्राम को सुरक्षित, स्वच्छ और स्वास्थ्य-अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जा सके। निगमायुक्त प्रदीप दहिया के अनुसार गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और रेबीज के खतरे को देखते हुए यह अभियान अत्यंत आवश्यक था। हमारा उद्देश्य शहर में पशु कल्याण, सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य तीनों को साथ लेकर चलना है। व्यापक नसबंदी और टीकाकरण से न केवल कुत्तों की अनियंत्रित बढ़ोतरी रुकेगी, बल्कि रेबीज जैसी खतरनाक बीमारी से भी प्रभावी सुरक्षा मिलेगी। हम चाहते हैं कि गुरुग्राम एक सुरक्षित और स्वास्थ्य-अनुकूल शहर के रूप में विकसित हो।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत गुरुग्राम विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

विशेषज्ञ करेंगे विकसित भारत 2047: भगवत ज्ञान से राष्ट्र-निर्माण की दिशा पर मंथन

संवाददाता

गुरुग्राम। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत गुरुग्राम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय ज्ञान एवं भाषा विभाग तथा जिला प्रशासन गुरुग्राम द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। विकसित भारत 2047: भगवत ज्ञान से राष्ट्र-निर्माण की दिशा विषय पर केंद्रित यह संगोष्ठी होगी।

जिला परिषद के सीईओ एवं जिला स्तरीय गीता महोत्सव के नोडल अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विद्वान, शिक्षा विशेषज्ञ और विशिष्ट अतिथि गीता के यूनिवर्सल ज्ञान को आधुनिक विकास मॉडल से जोड़ते हुए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। सुमित कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा एवं गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति संजय कौशिक बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। सीईओ ने बताया कि संगोष्ठी में वक्ता के रूप में हरिद्वार स्थित गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस.के. हुड्डा तथा संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल के पूर्व कुलपति डॉ श्रेयांश द्विवेदी विशेष व्याख्यान देंगे।

अपनी रचनाओं में समाज के हर वर्ग को स्थान दिया था देवनारायण द्विवेदी ने

संवाददाता

गुरुग्राम। हिंदी के प्रमुख उपन्यासकारों में से देवनारायण द्विवेदी भी एक ऐसे उपन्यासकार थे, जिनकी रचनाएं लोगों के हृदय पर छाप छोड़ने में कामयाब रही। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज के हर वर्ग को स्थान दिया। वक्ताओं ने उपन्यासकार देवनारायण द्विवेदी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए कहा कि उनका जन्म 4 अप्रैल 1886 को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के भैंसा नामक गाँव में हुआ था। उनकी शिक्षा के प्रति बड़ी रुचि थी। लेखन कार्य में भी उन्होंने रुचि लेना शुरु कर दिया था। द्विवेदी की पुस्तक कर्तव्याघात की 1926 में कहानी सम्राट प्रेमचन्द ने 6 पृष्ठ की समीक्षा लिखी थी। उस समय प्रेमचंद जी ने कहा था कि हिन्दी में इतना अच्छा उपन्यास हमारी नज़रों से अब तक गुजरा नहीं था।

योगयुक्त होकर किए गए कर्मों में आती है कुशलताः बीके दीदी

ब्रह्माकुमारीज द्वारा चार दिवसीय विशेष योग तपस्या भट्टी का शुभारम्भ

● संस्थान के आध्यात्मिक अनुप्रयोग अनुसंधान केंद्र (स्पार्क) ने किया आयोजन

संवाददाता

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज के बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय स्तर पर चार दिवसीय विशेष योग तपस्या भट्टी का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के आध्यात्मिक अनुप्रयोग अनुसंधान केंद्र (स्पार्क) ने किया। कार्यक्रम कर्मयोग से कर्मातीत विषय पर हुआ। इसमें देशभर से संस्थान के 1000 से भी अधिक सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने अपनी शुभ प्रेरणाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि कर्म और योग दोनों साथ-साथ होना ही कर्मयोग है। जिससे कर्म योगयुक्त होते हैं। योग में किए गए कर्म हमें शक्ति प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि योगयुक्त होकर किए गए कर्मों में कुशलता आती है।

हमारे कर्मों को देखकर दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारा चेहरा हमारे विचारों का प्रतिबिम्ब है। कर्मातीत का अर्थ ही है कि कर्म हमें प्रभावित न करें। कर्मयोग के माध्यम से ही हम कर्मातीत बन सकते हैं।

स्पार्क विंग की अध्यक्षा राजयोगिनी अम्बिका दीदी ने कहा कि मनुष्य जीवन में कर्मों का विशेष महत्व है। योग से ही कर्म सुकर्म बनते है। राजयोग के अन्दर सभी प्रकार के योग समाए हैं। राजयोग हमें स्वराज्य अधिकारी बनाता है। स्वराज्य अधिकारी ही अपनी कर्मेंद्रियों पर नियंत्रित कर सकता है। ओआरसी की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी विजय दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए शुभ चिंतन बहुत जरूरी है। बीती हुई बातों का चिंतन ही आत्मा को कमजोर बनाता है। आत्मा तब ही शक्तिशाली बन सकती है जब श्रेष्ठ एवं सशक्तिशाली विचार हों। स्पार्क विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके श्रीकांत ने कार्यक्रम के बारे अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि स्पार्क विंग का प्रमुख लक्ष्य आध्यात्मिक मूल्यों को सहज रूप से जीवन में उतारना है। जैसे विज्ञान अनुसंधान के आधार पर आविष्कार करता है। स्पार्क विंग की क्षेत्रीय संयोजिका बीके अलका ने कहा कि कर्मयोग से ही ईश्वरीय शक्तियों का अनुभव होता है। ऊंची आध्यात्मिक स्थिति ही ईश्वर से जुड़ने का एकमात्र साधन है। मुख्यालय माउंट आबू से आए बीके संजय ने कहा कि जैसी अवस्था होती है, वैसी ही व्यवस्था बनती है। आध्यात्मिक चिंतन मन की अवस्था को श्रेष्ठ बनाता है। स्पार्क विंग के दिल्ली की क्षेत्रीय संयोजिका बीके सरोज ने अपने स्वागत वक्तव्य से सभी का अभिनंदन किया। ज्ञान सरोवर से बीके रूपेश एवं दिल्ली से बीके एकता ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

गुरुग्राम में एनएसएस द्वारा रक्तदान शिविर में 44 यूनिट रक्त एकत्रित

● मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद सुमित कुमार ने किया शुभारंभ

संवाददाता

गुरुग्राम। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैकबपुरा में शुक्रवार को एनएसएस इकाई के सौजन्य से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल की पास-आउट छात्राओं, प्रधानाचार्य, स्टाफ सदस्यों तथा आम नागरिकों ने रक्तदान किया। 44 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

शिविर के मुख्य अतिथि सीईओ जिला परिषद गुरुग्राम सुमित कुमार ने रिबन कटिंग एवं तिलक लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर रक्तदान अभियान को आगे बढ़ाया गया। प्रधानाचार्य सुशील कुमार कण्व, विद्यालय के स्टॉफ और बड़ी संख्या में नागरिकों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया। सिविल हॉस्पिटल गुरुग्राम की टीम ने एकत्रित रक्त को सुरक्षित रूप से ब्लड बैंक तक पहुंचाया। मुख्य अतिथि सुमित कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता, यह केवल मनुष्य ही दे सकता है और किसी अनजान व्यक्ति की जान बचाने का सबसे पवित्र कार्य है। शिविर में महिलाओं, आम नागरिकों तथा विद्यालय की पास-आउट छात्राओं ने विशेष रूप से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदाताओं को फल एवं जूस वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी तथा अर्थशास्त्र प्रवक्ता सीमा रानी, गृह विज्ञान प्रवक्ता रूची ठक्कर और एनएसएस स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सामूहिक मेहनत से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और कुल 44 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत दिवस पर गुड़गांव में होगा भव्य कार्यक्रम

संवाददाता

गुरुग्राम। गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत दिवस के अवसर पर कल रविवार को ताऊ देवीलाल स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर सिख संगत द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान शेरदिल सिद्धू ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के 350वें साल को पूरे देश भर में शताब्दी समागम के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर ताऊ देवीलाल स्टेडियम में शबद कीर्तन व लंगर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में सचखंड श्री दरबार साहिब अमृतसर से भाई रविंद्र सिंह , गुरुद्वारा शीशगंज साहिब के हैड ग्रंथी ज्ञानी अंग्रेज सिंह, पटना साहिब वाले भाई सरबजीत सिंह, श्री नगर वाले पदमश्री भाई हरजिंद्र सिंह द्वारा शबद कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुबह 9 बजे पाठ जपजी साहिब से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद सुबह 10 बजे शबद कीर्तन होगा। 11 बजे कथा का आयोजन होगा और दोपहर 12 बजे से कीर्तन होगा। उन्होंने बताया कि दोपहर दो बजे अरदास होने के साथ ही कार्यक्रम का समापन लंगर सेवा के साथ होगा। पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था गुड़गांव की सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों द्वारा की जा रही है। इस दौरान खास व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान संगत के भारी संख्या में पहुंचने की संभावना को देते हुए ट्रैफिक पुलिस ने भी खास व्यवस्था की है। पुलिस ने वाहनों की पार्किंग से लेकर ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए भी अपनी पूरी तैयारी कर ली है। वहीं, कार्यक्रम को लेकर संगत में भी उत्साह देखने को मिल रहा है।

वर्ल्ड चैंपियन बनीं विमेंस ब्लाइंड क्रिकेट टीम के साथ फिल्मी रियल एस्टेट ने मनाया जश्न

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी पहुंचे कंपनी प्रमुख संजय यादव ● वर्ल्ड चैंपियन बनीं भारतीय विमेंस ब्लाइंड टीम में स्पॉन्सर रही गुरुग्राम की कंपनी

● भाजपा नेता सरपंच सुंदर लाल यादव ने भी टीम को जीत की बधाई दी

संवाददाता

गुरुग्राम। वर्ल्ड चैंपियन बनीं भारतीय विमेंस ब्लाइंड टीम में स्पॉन्सर रही गुरुग्राम की कंपनी फिल्बी रियल एस्टेट ने भी टीम के चैंपियन बनने का जश्न मनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली टीम के साथ फिल्बी के निदेशक संजय यादव भी मौजूद रहे। एसबीआई भी इस टीम की स्पॉन्सर रही। भाजपा के वरिष्ठ नेता सरपंच सुंदर लाल यादव ने भी सभी खिलाड़ी बेटियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हर मंच पर हमारी बेटियां देश का नाम रोशन कर रही हैं। किसी भी स्तर पर सरकार और निजी क्षेत्र से सुविधाओं में कमी नहीं आने दी जाती। उन्होंने फिल्मी रियल एस्टेट व

एसबीआई का भी आभार जताया, जिन्होंने इस टीम को स्पॉन्सर किया।

संजय यादव ने कहा कि टीम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए टीम को शुभकामनाएं दीं। सभी ऑफिशियल्स के सहयोग की भी उन्होंने सराहना की। बेहद ही आत्मीयता के साथ मुलाकात करते हुए प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों को लड्डू खिलाए। प्रधानमंत्री को टीम ने साइन किया हुआ बैट भी गिफ्ट किया। संजय यादव के मुताबिक भारत ने पहली बार ब्लाइंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। टीम ने कोलंबो में खेले गए फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया था। उन्होंने बताया कि नौ राज्यों से खिलाड़ी चुनकर यह टीम तैयार की गई थी। 16 खिलाड़ियों की भारतीय टीम में कप्तान कर्नाटक की दीपिका टीसी रही। टीम में कर्नाटक के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, असम और बिहार की प्लेयर्स शामिल रहीं। फिल्बी रियल एस्टेट के निदेशक संजय यादव ने आगे बताया कि विमेंस ब्लाइंड वर्ल्ड कप 11 नवंबर को शुरू हुआ था। टूर्नामेंट में भारत, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान और अमेरिका ने हिस्सा लिया। ग्रुप स्टेज में सभी टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ 5-5 मैच खेले। पॉइंट्स टेबल के टॉप-4 पोजिशन पर रहने वाली टीमों के बीच सेमीफाइनल हुआ। इन्हें जीतने वाली नेपाल और भारत ने फाइनल खेला। प्लास्टिक की बॉल से ब्लाइंड क्रिकेट खेला जाता है। गेंद में लोहे की बैरिंग भी लगी होती है जो टप्पा खाने पर आवाज करती है। विमेंस क्रिकेट में पहली बार ही ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप खेला गया। भारतीय ब्लाइंड विमेंस टीम ने पहली बार ही ग्लोबल लेवल पर कोई खिताब जीता है।

मित्र नहीं हो सकता चीन भारत को सावधान रहना होगा

मनोज कुमार अग्रवाल

अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे।लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पैमा यांगजोम घोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मयार्दाओं का भी खुला उल्लंघन करती है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साचित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत को आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए इनवैलिड पासपोर्ट का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। पूरे मामले की शुरूआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को इनवैलिड बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में अरुणाचल प्रदेश, भारत लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है। चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी

विस्तारवादी नीतियों अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं। दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है। दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में जांगनान कहता है और बार-बार दक्षिण तिब्बत का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वातार्कार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दर्रे तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है। दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है। पर चीन हर बार नाम बदलने, गलत दावे करने, मैप प्रकाशित करने और अब व्यक्तिगत नागरिकों को परेशान करने जैसी हरकतों से तनाव बढ़ाने की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन चीन को समझना होगा कि इस प्रकार की घटिया हरकत से उसको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

कोच और कप्तान जिम्मेदारी समझें

अपने ही घर में, अपने ही मैदान पर प्रिंस शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम जब कोलकाता के ईडन गार्डेन में दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले टेस्ट में तीसरे ही दिन बुरी तरह पराजित होकर पैवेलियन लौटी थी, तभी क्रिकेट के जानकारों ने साफ कर दिया था कि गुवाहाटी में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में भी अफ्रीकी गेंदबाजों की रफ्तार के आगे भारतीय टीम बिखर जाएगी। मगर वह इतनी बुरी तरह बिखर जाएगी, ऐसी कल्पना शायद क्रिकेट के पंडितों ने भी नहीं की थी! खेलों में हार और जीत चलती रहती है, लेकिन संघर्ष करके हारने वाली टीम अक्सर जीतने वाले से भी अधिक सम्मान पाती है। भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं हुआ।

टीम इंडिया के साथ संभवतः यह विडंबना है कि वह चाहे जीते या हारे, दोनों ही परिस्थितियों में रिकॉर्ड अपने नाम करती ही है। गुवाहाटी टेस्ट में हार के बाद उसके नाम टेस्ट क्रिकेट में 408 रनों से सबसे बड़ी हार का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के संन्यास के बाद भी टीम इंडिया के पास बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद थे, लेकिन नए अनुभवहीन कप्तान और कोच के अड़ियल रवैये के चलते खिलाड़ियों को मैदान में कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं मिला। इसी कारण अपने ही घर में भारत को इस तरह करारी शिकस्त मिली है। जब जीत का सेहरा कप्तान और कोच, दोनों बराबर बांटते हैं, तो हार की जिम्मेदारी भी उनको समान रूप से स्वीकार करनी चाहिए। खिलाड़ियों पर दोषारोपण कर देने मात्र से कप्तान और कोच अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।

असलियत यही है कि टीम इंडिया के कोच अक्सर हाथ बांधे, मुंह चढ़ाए बैठे रहते हैं। उन्हें शायद ही कभी खिलाड़ियों को मुस्कराकर प्रेरित करते या उनमें जोश भरते देखा गया है। वह अपना चेहरा इतना ह्यगंभीरह्व बनाए रखते हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम अपना नैसर्गिक खेल ही नहीं खेल पाती। यह तस्वीर अब बदलनी चाहिए। कोच और कप्तान को मिलकर ऐसी रणनीति बनानी चाहिए, जिससे टीम इंडिया फिर से अर्श पर पहुंचती दिखे।

यह सच है कि अपने ही घर में एक छोटे कद के अफ्रीकी कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट में हमें इतनी बड़ी हार दी है कि उसके घाव जल्द भर नहीं पाएंगे, लेकिन उम्मीद का दामन हमें छोड़ना नहीं चाहिए। अगर आज हम फर्श पर हैं, तो कल फलक पर फिर चमकेंगे। कोच और कप्तान चाहें, तो आपस में मिलकर यह भरोसा क्रिकेटप्रेमियों को दे सकते हैं।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

फिलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण

दिलीप कुमार पाठक

फिलिस्तीनी लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फिलिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाजा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फिलिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आह्वान करता है। गाजा में पिछले वर्षों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाका अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है, और नाजुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का हृदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है ' गाजा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं '

10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, ICRC ने 20 बंधकों को इजराइली अधिकारियों और 1,808 फिलिस्तीनी बंदियों को गाजा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1,718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और ICRC ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फिलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फिलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फिलिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फिलिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सजा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की माँग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है।

फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाजा में 52,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फिलिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे।

पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी और पश्चिमी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फिलिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती है। UNRWA 663 से ज्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमजोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है। यह अपने द्वारा संचालित 58 मान्यता प्राप्त शरणार्थी शिविरों में अपने बुनियादी ढाँचे में निरंतर सुधार कर रही है। लगभग 30,000 कर्मचारियों, जिनमें से स्वयं फिलिस्तीनी शरणार्थी हैं, के साथ यह अल्पकालिक मानवीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों, जैसे कि लाखों फिलिस्तीनियों को चल रहे संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने, दोनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह बेहद जरूरी है कि इस युद्धविराम समझौते का पालन किया जाए। हमें स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता देखने की जरूरत है, जिसमें सभी पक्ष गाजा में नागरिकों, सहायताकर्मियों और चिकित्सा सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें, जिससे फिलिस्तीन में भी खुशियो की सुबह हो '

(लेखक पत्रकार हैं)

मासूम चेहरों के पीछे छिपा आतंकवाद, क्रूरता और विध्वंस

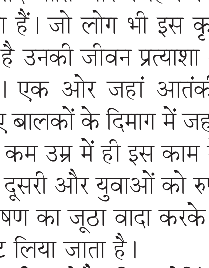

डॉ. अंशुल उपाध्याय

आतंकवाद जाति और मजहब के नाम पर गहरा धब्बा हैं। जो लोग भी इस कृत्य में शामिल होते है उनकी जीवन प्रत्याशा अपने आप ही कम जाती हैं। एक ओर जहां आतंकी नेटवर्क को चलाने के लिए बालकों के दिमाग में जहर और नफरत भरकर उनको कम उम्र में ही इस काम में धकेल दिया जाता है। वही दूसरी और युवाओं को रुपए और उनके परिवार का पोषण का जूठा वादा करके आतंकी बनने के लिए घसीट लिया जाता है।

अव्वल दर्जे की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का नतीजा होते हैं आतंकी

बदलते परिवेश में मनोवैज्ञानिक तरीके से युवक और युवतियों का धीरे-धीरे ब्रेनवाश करके 15 से 16 वर्ष की आयु तक उन्हें एक ट्रेंड और क्रूर आतंकी बना दिया जाता है। फिर ये मासूम एक ऐसे व्यक्ति बन जाते है जिसका खुद का दिमाग चलना ही बंद हो जाता है। और जो भी उन्हें आदेश या टारगेट दिए जाते हैं वे अपना दिमाग बिना चलाए आंख मूंद कर उन टारगेटों को पूरा करने के लिए निकल जाते हैं। फिर चाहे उन्हें सुसाइड बंबर बनकर अपने ही शरीर के चीथड़े ही क्यों ना उडाने पड़े। आतंकवादियों को जरा भी इस बात का इल्म नहीं होता कि उन्होंने उनके इस काम से कितने मासूमो को मारा है ।

इतनी क्रूरता आखिर किस लिए सिर्फ? सरकार को दिखाने के लिए या जनता को डराने के लिए? या फिर अपने नाकाम मानसून को पूरा करने के लिए? इस पर मैं बस इतना कहूंगी कि ये घटनाएं सिर्फ एक क्रूर मनुष्य के दिमाग से जन्म लेती है और विचलित, ब्रेन लॉक मनुष्य के द्वारा अंजाम तक पहुंचाई जाती हैं। जिनका मकसद सिर्फ समाज में आतंकवाद डर को फैलाना होता है।

कश्मीर की आड़ में अपने खूनी मंसूबों को अंजाम देते हैं आतंकी

आतंकवादी ऐसे लक्ष्य विहीन लोग होते है जो,कश्मीर की आड़ में कश्मीर को ही खोखला कर रहे है। कश्मीर में रहने वाला शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसने आतंक के इस डरावने चेहरे का सामान न किया हो। पाकिस्तान में बैठे कुछ लोग अगर कश्मीर की आजादी की बात कर रहे है तो इसमें कोई भी दो मत नहीं है कि जितना वह आतंक और नरसंहार फैला रहे है उसके बाद उनसे शांति और करुणा की बात करना बेफिजूल ही है ।

ये न केवल अपने खूनी मंसूबों को ही अंजाम दे रहे हैं। बल्कि हथियारों का निर्माण और उनकी तस्करी करने वालों को भी सीधा फायदा पहुंचा रहे हैं। हथियारों की तस्करी करने वाले ये लोग तो अमीर देशो में बैठे हुए हैं। और आतंकवादी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता हैं मिडिल क्लास और निम्न तबगे के लोगों का। जबकि इन आतंकियों के जो हुक्मरान होते हैं वह खुद अपने बच्चों और परिवार को तो लग्जरी लाइफ देते हैं और आम जन को बली चढ़ाने के लिए आतंकवाद की आग में झोंक देते हैं।

दिल्ली में विस्फोट के पीछे का काला सच

वर्तमान घटना क्रम की बात करे तो, दिल्ली लाल किले के पास हुए जोरदार कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने करीब 30-40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। पुलिस इस बात की आशंका जता रही हैं। कि इस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है।सूत्रों के मुताबिक आतंकी ने विस्फोट को और खतरनाक बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा दूसरे पदार्थों का भी इस्तेमाल भी किया होगा। जिसकी जांच अभी चल रही है। इन्हीं केमिकल पदार्थों के द्वारा ही धमाका काफी जोरदार हुआ था और इसकी गूंज काफी दूर तक सुनाई दी थी। मार्च 2020 में गिरफ्तार अलीपुर महिला सुधार गृह में बंद परवीन जो मौलाना मसूद अजहर की बहन, है और लश्कर - ए -तैयबा की एक हैंडलर भी है से पूछ ताछ में पता चला है कि वह खुद जैश की महिला शाखा की प्रमुख सईदा अजहर के निर्देशों पर काम करती थी। परवीन कथित तौर पर आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन भर्ती का काम संभालती थी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखती थी है।

आज आतंकी सिर्फ पहाड़ों में छिपे बंदूकधारी नहीं रह गए है, बल्कि यहां तो यूनिवर्सिटी में पढने वाले डॉक्टर, इंजीनियर और टेक-सेवी नौजवानो को भी आतंकी बनाया जा रहा हैं। भारत के भीतर व्हाइट कॉलर टेरर का ऐसा नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मेडिकल पेशे की आड़ में देश को अस्थिर करने की साजिश रच रहा था।

घटना के बाद परिवार द्वारा शव का बहिष्कार

फिदायीन आतंकी डॉ. उमर नबी जिसके इस विस्फोट में टुकड़े टुकड़े हो गए थे, उसके शव के कई टुकड़े मोर्चरी में रखे हुए हैं। डीएनए से उसके शव की पहचान भी हो गई है। फिर भी उमर का शव लेने के लिए अभी किसी ने भी दावा नहीं किया है। ये वही डॉ. उमर है जो पहले विस्फोटक से लदी कार लेकर दिल्ली के वीआईपी इलाकों में घूमता रहा और बाद में इसने इस भयानक विस्फोट को अंजाम दिया। उमर की उम्र 43 वर्ष ही थी और वह अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़ा हुआ था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके परिवार से लगातार पूछताछ कर रही हैं। पर विचार करने वाली बात यही है की, ऐसे नौजवान जो आतंक के हत्थे चढ़ जाते है अपने पीछे अपने पूरे परिवार को जीवन भर के लिए बदनामी और सामाजिक बहिष्कार का हिस्सा बना जाते है।

(लेखिका फॉर्मर यू.जी.सी. सीनियर रिसर्च फैलो (रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन), दिल्ली रह चुकी हैं।)

लीला पैलेस ने दुबई के पाम में 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली लीला पैलेस, होटल्स एंड रिसॉर्ट्स ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी एरीज होल्डिंग्स के माध्यम से बोरॉन होल्डिंग्स के जरिए दुबई के पाम जुमेरा में लक्ज़री होटल सॉफिटेल द पाम एफजेडई में 25 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। कंपनी ने इस हिस्सेदारी के लिए 437 करोड़ रुपये का निवेश किया है। शेष 75 फीसदी हिस्सेदारी ब्रुकफील्ड द्वारा प्रबंधित निजी फंड खरीदेगा। संपत्ति 23 एकड़ में फैली है और इसमें 546 कमरे हैं, जिनमें 361-कमरों वाला लक्ज़री होटल, 182 ब्रांडेड आवास और तीन विशेष विला शामिल हैं। यह कदम लीला पैलेस के अंतरराष्ट्रीय विस्तार रणनीति का हिस्सा है, जिसे अक्टूबर में निदेशक मंडल ने मंजूरी दी थी।

एक्रस का 922 करोड़ का आईपीओ 3 दिसंबर से खुलेगा

नई दिल्ली एक्रस जो टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों और एयरोस्पेस कल-पुर्जों के अनुबंध पर विनिर्माण में विशेषज्ञता रखती है, ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड 118-124 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी का आईपीओ कुल 922 करोड़ रुपए का है, जिसमें 670 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से और 252 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश शामिल है। कुल ओएफएस में 2.03 करोड़ शेयर शामिल हैं। आईपीओ 3 दिसंबर से 5 दिसंबर तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 2 दिसंबर को बोली लगा सकते हैं। एक्रस अपने शेयरों को 12 दिसंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कर सकती है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी पूंजी जुटाकर अपने उत्पादन और विकास परियोजनाओं का विस्तार करने की योजना बना रही है।

सुदीप फार्मा के आईपीओ की शानदार लिस्टिंग

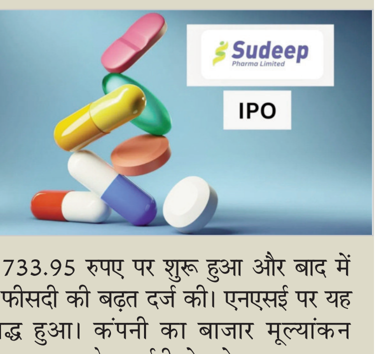

नई दिल्ली सुदीप फार्मा लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को बाजार में 593 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले जोरदार प्रदर्शन करते हुए सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 733.95 रुपए पर शुरू हुआ और बाद में 777 तक पहुँचकर 31 फीसदी की बढ़त दर्ज की। एनएसई पर यह 730 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,567.72 करोड़ रुपए रहा। इसके आईपीओ को 93.71 गुना अभिदान मिला। सुदीप फार्मा दवाइयों, खाद्य और पोषण उत्पादों के लिए विशेष सामग्री और एक्सीपिएंट्स आधुनिक तकनीक से बनाती है।

रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल उत्तर भारत में करेगा बड़ा विस्तार

रेनबों की अगले तीन साल में 900 बेड जोड़ने की योजना

नई दिल्ली हैदराबाद स्थित रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, जो बच्चों के इलाज और प्रसवकालीन देखभाल में विशेषज्ञ है, अब उत्तर भारत में अपनी पैठ मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। समूह अगले तीन वर्षों में अपने अस्पताल नेटवर्क में लगभग 900 बेड जोड़ने की योजना बना रहा है, जिनमें से आधे यानी 450 बेड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में होंगे। इन बेडों में एक 325-बेड वाला मुख्य अस्पताल और एक 125-बेड वाला सैटेलाइट अस्पताल शामिल होगा। रेनबो ने पहले से ही दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में अपनी पहचान बनाई है। अब समूह बेंगलूरु में इलेक्ट्रॉनिक सिटी में 90 बेड और हेनूर में 60 बेड, पुणे में 150 बेड और कोयंबतूर में 130 बेड जोड़ने का इरादा रखता है। पुणे की इकाई को एसेट-लाइट सैटेलाइट मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। समूह इस विस्तार पर कुल 800-900 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहा है। योजना में ग्रीनफील्ड अस्पताल और एसेट-लाइट सैटेलाइट मॉडल का मिश्रण शामिल है। सैटेलाइट अस्पताल की लागत लगभग 70 लाख रुपये प्रति बेड होगी, जबकि एसेट-हैवी मॉडल की लागत इससे अधिक होगी।

भारत का बीएफएसआई सेक्टर 20 साल में 60 गुना बढ़ा

अक्टूबर 2025 में बढ़कर 105 लाख करोड़ पहुंचा मार्केट कैप

नई दिल्ली

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) सेक्टर पिछले 20 सालों में अभूतपूर्व विकास देखने को मिला है। 2005 में इस सेक्टर की कुल मार्केट कैप लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपए थी, जो अक्टूबर 2025 में बढ़कर 105 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। यह लगभग 23 फीसदी सालाना वृद्धि दर दर्शाता है और इसे देश के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक सेक्टरों में से एक बनाता है। हालांकि बैंक अभी भी बीएफएसआई सेक्टर का सबसे बड़ा आधार हैं, उनका मार्केट शेयर घटकर 85 से 54 फीसदी रह गया है। इसका कारण बीमा, पूंजी बाजार और फिनटेक कंपनियों का तेजी से उभरना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन सेवाओं ने ग्राहकों को आसान और तेज़ विकल्प उपलब्ध कराए हैं, जिससे नए क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहे हैं।` वित्त वर्ष 15 में बीमा कंपनियों का हिस्सा मात्र एक फीसदी था, लेकिन अब यह 12 फीसदी तक पहुंच चुका है। पूंजी बाजार से जुड़ी कंपनियों की हिस्सेदारी भी पहले कम होने के बाद अब 6 फीसदी हो गई है। फिनटेक सेक्टर 2015 तक लगभग अनुपस्थित था, लेकिन अब यह 4 फीसदी हिस्सा ले चुका है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग और वित्तीय सेवाओं की आसान पहुँच ने इसकी वृद्धि को गति दी। एनबीएफसी ने 2005 से 2025 तक अपनी मार्केट कैप में लगभग 100 गुना वृद्धि दर्ज की है।

मीशो की आईपीओ के ज रिए 5,421 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ई-कॉमर्स कंपनी मीशो, जो सॉफ्टबैंक समर्थित है, अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 5,421 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती है। कंपनी ने इसके लिए 105-111 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ के ऊपरी छोर पर मीशो का कुल मूल्यांकन लगभग 50,096 करोड़ रुपये (5.6 अरब डॉलर) होगा। बड़े निवेशक (एंकर) बोली 2 दिसंबर, आम निवेशकों के लिए बोली 3 से 5 दिसंबर को लगा सकेंगे। इसके आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग 12 दिसंबर को होगी। इस आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपये नए शेयर और 1,171 करोड़ रुपये ओएफएस (पुराने शेयरों की बिक्री) शामिल हैं। मीशो का यह कदम कंपनी को विस्तार के लिए नई पूंजी जुटाने और निवेशकों को तरलता प्रदान करने में मदद करेगा।

स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए अलग नीति की मांग

स्टेनलेस स्टील को राष्ट्रीय इस्पात नीति में शामिल करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग को केवल राष्ट्रीय इस्पात नीति में एक अध्याय जोड़ने की बजाय स्वतंत्र और प्रतिबद्ध नीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्टेनलेस स्टील का उत्पादन, कच्चा माल और अनुप्रयोग कार्बन स्टील से अलग होते हैं, इसलिए इसे अलग नीतिगत ढांचे की जरूरत है। जेएसएल भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील उत्पादक कंपनी है और विशेष स्टील के घरेलू बाजार में इसका लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है। अे धिकारी का कहना है` कि केवल एक अध्याय जोड़ने से इस उद्योग का महत्व और मूल्य कम हो जाएगा। इस्पात मंत्रालय ने लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करने के लिए स्टेनलेस स्टील को राष्ट्रीय इस्पात नीति में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई नीति में स्टेनलेस स्टील पर एक अलग अध्याय होगा। उन्होंने कहा कि इस नीति में क्षेत्रवार वास्तविकताओं को ध्यान में रखा जाएगा, जैसे कम क्षमता का उपयोग, उच्च उत्पादन लागत और कच्चे माल की कमी। अधिकारी ने यह भी कहा कि स्टेनलेस स्टील के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना जरूरी है। इसमें नीति स्तर पर शिक्षा, जमीनी स्तर पर जागरूकता और प्रतिभा संपन्न श्रमशक्ति शामिल हैं। उन्होंने जोर दिया कि स्टेनलेस स्टील की वेल्डिंग सामान्य स्टील से पूरी तरह अलग होती है, इसलिए प्रशिक्षित श्रमिक और तकनीकी तैयारी आवश्यक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भ्रर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.71 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 85,706.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 12.60 अंक की गिरावट के साथ ही 26,202.95 पर बंद हुआ। आज केवल वाहन और फार्मा शेयरों में तेजी रही। निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.59 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.55 फीसदी और निफ्टी कंजप्शन 0.18 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। निफ्टी आईटी 0.11 फीसदी, निफ्टी वित्तीय सेवा 0.20 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.58 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ ही बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 69.90 अंक टूटकर 61,043.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 47.55 अंक टूटकर 17,829.25 पर था।

सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, टाटा स्टील के शेयर उछले जबकि भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, बीईएल, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक के शेयर गिरे।

वहीं बाजार जानकारों के अनुसार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और आईआईपी डेटा आने से पहले बाजार में हल्की मुनाफावसूली रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती गिरावट से उबरकर हरे निशान में पहुंच गया। सेंसेक्स 85,821 अंक पर 101 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 35 अंकों की बढ़त के साथ 26,251 अंक पर पहुंच गया। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। अमेरिका में थैंक्सगिविंग की वजह से स्टॉक फ्यूचर्स सामान्य रहे। नेस्डेक कम्पो जिट अपनी सात महीने की बढ़त को रोकने की ओर दिखा। अमेरिका में डॉव जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 10 अंक बढ़े, जबकि एसएंडपी 500 और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स लगभग स्थिर रहे। नवंबर में अमेरिकी बाजार कमजोर रुझान के साथ बंद होने की संभावना है

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला संपन्न, 18 लाख से अधिक दर्शक पहुंचे

राजधानी के भारत मंडपम में 14 दिनों तक चला भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)

नई दिल्ली

भारतीय व्यापार प्रदर्शनी संगठन (आईटीपीओ) के प्रबंध निदेशक नीरज खारवाल ने कहा कि 14-दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी रही और कुल 18 लाख से अधिक लोग मेला देखने आए। इस दौरान 18 लाख से अधिक आगंतुक व्यापार मेला देखने आए।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि व्यापार मेला में भागीदार राज्य श्रेणी के तहत राजस्थान ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि बिहार ने रजत पदक और उत्तर प्रदेश ने कांस्य पदक हासिल किया।

विदेशी मंडप श्रेणी में थाईलैंड ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि ईरान और दुबई को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला। मंत्रालयों और सरकारी विभागों की श्रेणी में रक्षा मंत्रालय को स्वर्ण पदक मिला।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और बैंक की श्रेणी में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। भारतीय व्यापार प्रदर्शनी संगठन (आईटीपीओ) के प्रबंध निदेशक नीरज खारवाल ने कहा कि 14-दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी रही और कुल 18 लाख से अधिक लोग मेला देखने आए।

एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड' की परिसंपत्ति बढ़कर 2.5 लाख करोड़ पहुंची

अक्टूबर 2024 में प रिसंप त्ति 2.21 लाख करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली निवेशकों के बीच एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के अनुसार, अक्टूबर 2025 तक इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार (एयूएम) 2.5 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो सालाना आधार पर 13 फीसदी की वृद्धि है। अक्टूबर 2024 में यह 2.21 लाख करोड़ रुपये था। निवेशक आधार भी मजबूत हुआ, और फोलियो की संख्या 56.41 लाख से बढ़कर 60.44 लाख हो गई। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब निफ्टी ने एक साल के लिए गिरावट और उच्च अस्थिरता देखी। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशक ऐसे फंड की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर विकास और स्थिरता का संतुलन प्रदान करे। एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स ने विभिन्न समय-सीमाओं में मजबूत रिटर्न दिया है। आईसीआईसीआई प्रूडें शियल इे क्विटी एंड डेब्ट फंड ने दो-वर्षीय सीएजीआर 19.6 फीसदी और पांच-वर्षीय सीएजीआर 24.7 फीसदीप के साथ शीर्ष प्रदर्शन किया। इसके बाद मे हिंद्रा मेनुलाइफ एग्रे सिव हाये ब्रिड फंड ने क्रमशः 19.3 और 20.4 फीसदी का रिटर्न दिया। बंधन, एडलविश और इनवेस्को इंडिया के फंड्स ने भी दो अंकों का रिटर्न दर्ज किया हैं।

रतन टाटा का सेशेल्स बीचफ्रंट विला बिकाऊ

85 लाख वाली प्रॉपर्टी के 55 करोड़ देने को तैयार है ग्राहक

नई दिल्ली

सेशेल्स के माहे द्वीप पर स्थित रतन टाटा का खूबसूरत बीचफ्रंट विला एक बार फिर सुर्खियों में है। टाटा को यह संपत्ति इसलिए मिल सकी थी क्योंकि सेशेल्स सरकार ने उन्हें विशेष अनुमति दी थी, जबकि देश में आमतौर पर विदेशी नागरिकों को प्रॉपर्टी खरीदने की अनुमति नहीं होती।

उस समय एयरसेल के संस्थापक सी. शिवशंकरन ने इस विला की खरीद में रतन टाटा की मदद की थी। अब जानकारी सामने आई है कि शिवशंकरन और उनका परिवार या सहयोगी इस विला को खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। विला की आधिकारिक वैल्यूएशन पेशेवर विशेषज्ञों द्वारा लगभग 85 लाख रुपये आंकी गई है, लेकिन संभावित खरीदार इसे करीब 6.2 मिलियन डॉलर (लगभग 55 करोड़ रुपये) में खरीदने की इच्छा जता रहे हैं। यदि यह सौदा पूरा होता है, तो बिक्री से प्राप्त राशि रतन टाटा एंडॉवमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडॉवमेंट ट्रस्ट के पास जाएगी। उल्लेखनीय है कि रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस विला को अपनी निवेश फर्म आरएनटी एसो सिएट के नाम किया था, जो सिंगापुर में पंजीकृत है और भारत के कई उभरते स्टार्टअप्स में निवेश कर चुकी है। हालांकि, डील अभी फाइनल नहीं हुई है। जब शिवशंकरन से विला खरीदने की संभावित बातचीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं। यह बयान संकेत देता है कि बातचीत भले चल रही हो, पर अभी समझौता पक्का नहीं हुआ है।

बैजू रवींद्रन अमे रिकी अदालत में पेश करेंगे ग्लास ट्रस्ट के खिलाफ साक्ष्य

▸▸ अंतरराष्ट्रीय कानूनी विवाद में बायजू की चुनौती

नई दिल्ली

एडटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बैजू रवींद्रन अमेरिका की अदालतों में साक्ष्य प्रस्तुत करने जा रहे हैं। उनका दावा है कि ग्लास ट्रस्ट और समाधान पेशेवरों ने उन्हें और अन्य संस्थापकों को बार-बार गुमराह किया और यह झूठा आरोप लगाया कि उन्होंने 53.3 करोड़ डॉलर (अल्फा फंड्स) का गबन किया। यह साक्ष्य डेलावेयर दिवाला अदालत के 20 नवंबर, 2025 के आदेश के खिलाफ अपील के हिस्से के रूप में और संबंधित पक्षों के खिलाफ 2.5 अरब डॉलर से अधिक के दावे के तहत पेश किया जाएगा। रवींद्रन ने अपनी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) के लिए डेलावेयर दिवाला अदालत में अलग याचिका दायर की है। उनका कहना है कि अदालत ने हर्जाने का फैसला समय से पहले जारी किया और ग्लास ट्रस्ट ने सुनवाई से पहले अपनी हर्जाने की मांग वापस ले ली थी। उनकी टीम का कहना है कि अदालत ने गलती से डिफॉल्ट फैसले में हर्जाने का पंचाट शामिल कर दिया, जबकि यह केवल दस्तावेज़ और जानकारी समय पर न देने के लिए दिया जाना चाहिए था। रवींद्रन ने मीडिया को बताया कि पिछले दो सालों से ग्लास ट्रस्ट उनकी और कंपनी की छवि खराब करने में लगा रहा है। उन्होंने कहा कि यह

धन टीएलपीएल और कंपनी के विस्तार के लिए इस्तेमाल किया गया। रवींद्रन ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में वह और अन्य संस्थापक भारतीय और अमेरिकी अदालतों में मुकदमा दायर करेंगे। रवींद्रन का कहना है कि साक्ष्य जल्द ही भारतीय अदालतों के साथ भी साझा किए जाएंगे।

देश की पहली सात सीटों वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा एक्सईवी 9एस लॉन्च

इसका बेहतरीन डिजाइन व फीचर्स, 14 जनवरी 2026 से होगी बुकिंग शुरू

नई दिल्ली

भारत की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल महिंद्रा की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री होती है। निर्माता की ओर से देश की पहली सात सीटों वाली इलेक्े ट्रिक एसयूवी महिंद्रा एक्सईवी 9एस लॉन्े च कर दी है। इस एसयूवी में दमदार बैटरी और मोटर दी गई है। निर्माता की ओर से इसे बेहतरीन डिजाइन और फीचर्स के साथ लॉन्े च किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस एसयूवी में बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं। इसमें एडेप्े टिव क्रूज कंट्रोल, ड्राइविंग के लिए कई मोड्स, बूस्े ट मोड, एलईडी डीआरएल, सीक्े वेंशल टर्न इंडीकेटर, लेदर रैप इंटररियर, 18 इंच अलॉय व्े हीले स, पैनोरमिक सनरूफ, एलईडी हेडलाइट्स, एलईडी टेल लाइट, पावर्ड ड्राइवर सीट, फ्लश डोर हैंडल, ड्यूल जोन ऑटो एसी, की-लैस एंट्री, विंडशीले ड के लिए ऑटो डिफॉगर, ट्रिपल स्े क्रीन, 16 स्े पीकर, हरमन ऑडियो सिस्े टम, एनएफसी कार्ड, वायरलैस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्े ले, कनेक्े टिड फीचर्स, अमेजन एलेक्े सा, सात एयरबैग, लेवल-2 एडीएएस, 360 डिग्री कैमरा, फ्रंट पार्किंग सेंसर, सभी पहियों पर डिस्े क ब्रेक, ड्राइवर ड्रॉजिनेस सिस्े टम, टीपीएमएस जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

महिंद्रा की ओर से इस एसयूवी में बैटरी के दो विकल्े प दिए हैं। जिसमें 59 और 79 की क्षमता की बैटरी लगी है। फास्े ट चार्जर से एसयूवी को 20 मिनट में 20 से 80 फीसदी चार्ज किया जा सकता है। इसकी मोटर से इसे 180 किलोवाट की पावर मिलती है। साथ ही रीजनरेटिव तकनीक को भी दिया गया है। महिंद्रा की एक्सईवी 9एस को भारतीय बाजार में 19.95 लाख रुपए की एक्े स शोरूम प्राइज पर लॉन्े च किया है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्े स शोरूम कीमत 29.45 लाख रुपए है। निर्माता की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक एसयूवी की 14 जनवरी 2026 से बुकिंग शुरू हो जाएगी। इसके बाद एसयूवी की डिलीवरी को 23 जनवरी 2026 से की जाएगी।

भारतीय दो पहिया बाजार में 125सीसी सेगमेंट में बढ़ी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली

भारतीय दोपहिया बाजार में 125सीसी स्कूटर सेगमेंट में टीवीएस, होंडा, हीरो, सुजुकी और यामाहा जैसे ब्रांडों ने कई मजबूत विकल्प लॉन्च किए हैं, जो युवाओं और शहरों में रोजाना सफर करने वालों के बीच खास लोकप्रिय हैं। इस सेगमेंट में टीवीएस एनटॉर्क 125 को सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस स्कूटर माना जाता है। इसका 124.8सीसी इंजन 7.5 केडब्ल्यू पावर और 11.5 एनएम टॉर्क देता है, जो इसे 98 किमी/ घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंचाता है। डिजिटल स्पीडोमीटर, राइडिंग मोड्स, एलईडी लाइटिंग और यूएसबी चार्जिंग जैसे फीचर्स इसे और भी आकर्षक बनाते हैं।

होंडा डियो 125 भी इस वर्ग में एक मजबूत विकल्प है। इसका 125सीसी इंजन 6.11 केडब्ल्यू पावर और 10.5 एनएम टॉर्क पैदा करता है। रिमोट की, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन और टीएफटी मीटर जैसे एडवांस फीचर्स इसे मॉडर्न राइडर्स की पसंद बना रहे हैं। हीरो जूम 125 अपनी हल्की बॉडी, स्पोर्टी डिजाइन और 7.3 केडब्ल्यू पावर वाले इंजन के साथ शहरी सड़कों के लिए खास तौर पर उपयुक्त है। इसकी 95 किमी/ घंटा की टॉप स्पीड और सीक्वेंशियल एलईडी विंकर्स जैसे फीचर्स युवाओं को आकर्षित करते हैं।

सुजुकी अवेनिस 125 अपने स्पोर्टी लुक और 21.5-लीटर स्टोरेज क्षमता की वजह से प्रैक्टिकल और स्टाइलिश दोनों का मिश्रण है। इसका 6.3 केडब्ल्यू पावर देने वाला इंजन आसानी से 90 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है। वहीं यामाहा रेझर 125 अपने टफ डिजाइन और 6.0 केडब्ल्यू पावर वाले इंजन के साथ 90 किमी/घंटा की स्पीड देती है।

इसमें डिजिटल क्लस्टर, एलईडी हेडलाइट और ऑटोमैटिक स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम शामिल हैं। 73,430 रुपये से शुरू होने वाली कीमत के साथ ये पांचों स्कूटर्स 125 सीसी सेगमेंट में पावर और फीचर्स के बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

महिला-प्रधान फिल्म होगी कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म लोका ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे माया, मानगरम, मॉन्स्टर, तानक्करन, इरुगापत्रु और ब्लैक जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी। कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और नान महान अल्ला फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से जाने जाते हैं।

विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं। सोनाली लिखती हैं, मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है।

सोनाली बेंद्रे का फिल्मी करियर

सोनाली बेंद्रे का कहना है, मैं हमेशा अपनी यात्रा ईमानदारी और विनम्रता के साथ शेयर करूंगी। कभी किसी नुस्खे के तौर पर नहीं, बल्कि अपने अनुभव के तौर पर। बता दें कि सोनाली मेटास्टेटिक कैंसर के खिलाफ जंग लड़ चुकी हैं। अभिनेत्री के करियर की बात करें तो उन्होंने आग (1994) से डेब्यू किया था। वे सरफरोश (1999), हम साथ-साथ हैं (1999), हमारा दिल आपके पास है (2000), लज्जा (2001) और कल हो ना हो (2003) जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

शाहरुख की फिल्म 'किंग' में अक्षय ओबेरॉय की हुई एंट्री

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है। फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे बड़े नाम भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मल्टीस्टारर धुरंधर में अहम किरदार में नजर आएंगी गीतिका गंजू

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक्ट्रेस गीतिका गंजू अहम किरदार में नजर आएंगी। गीतिका का मानना है कि धुरंधर एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक काफी पसंद करेंगे। गीतिका गंजू का मानना है कि बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जो कहानी कहने का तरीका बदल देती हैं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल होती हैं। धुरंधर भी ऐसी ही फिल्म है। एक्ट्रेस गीतिका ने को-एक्टर रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम करने को शानदार बताया। एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर एक जबरदस्त फिल्म बनने के साथ सिनेमाघरों में छाने को तैयार है। भारत में इस जॉनर को शायद पहले कभी इतनी सच्चाई और स्टाइल के साथ नहीं दिखाया गया। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। फिल्म की तारीफ करते हुए गीतिका ने स्पष्ट कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसी फिल्म आती है, जो कहानी कहने का तरीका बदल देती है, धुरंधर वैसी ही फिल्म है। गीतिका ने बताया, आदित्य धर और लोकेश धर ने फिल्म के लिए खूब मेहनत की है, जिसका नतीजा स्क्रीन पर दिखेगा। आदित्य धर ने कहानी को बेहद बोल्ड और रियल तरीके से पेश किया है। गीतिका ने आगे कहा कि फिल्म का हर एक एक्टर खास है। राकेश बेदी, रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ काम करना उनके लिए यादगार रहा। रणवीर सिंह को एक्शन में देखने का अनुभव शानदार रहा। गीतिका गंजू ने अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाल सिंह चड्ढा', 'म्यूजिक मेरी जान', 'आर्या सीजन 2' और 'तनाव सीजन 2' जैसे सफल प्रोजेक्ट में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

रणवीर सिंह से लेकर संजय दत्त तक
खलनायक के रूप में नजर आए ये बड़े स्टार्स

बॉलीवुड के कई मशहूर अभिनेताओं ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है। अपकमिंग फिल्म धुरंधर में अर्जुन रामपाल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। इससे पहले भी कई अभिनेताओं ने फिल्मों में पारंपरिक खलनायक से अलग लुक रखा और अभिनय किया। दर्शकों ने इन्हें खूब पसंद किया। कई विलेन ऐसे रहे जो नायकों पर भारी पड़े और उनकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली।

फिल्म सिंघम अगेन (2024) में **अर्जुन कपूर** ने डेंजर लंका का नेगेटिव किरदार निभाया है। उनका किरदार एक चालाक और तेज दिमाग वाला है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और कई कलाकारों ने अभिनय किया लेकिन अर्जुन कपूर के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म शैतान (2024) में

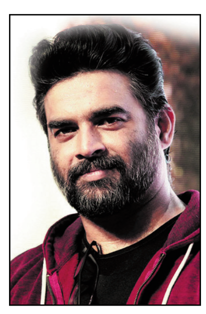

आर माधवन ने वनराज कश्यप का नेगेटिव किरदार निभाया। यह फिल्म गुजराती फिल्म वश पर आधारित थी। इसमें दिखाया गया है कि एक अजनबी एक लड़की को वश में करने के लिए काले जादू का इस्तेमाल करता है। इसमें आर माधवन के किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म एनिमल को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसमें **रणबीर कपूर** के किरदार के अलावा बॉबी देओल के नेगेटिव किरदार अबरार अहमद को पसंद किया गया। फिल्म में उनके कम संवाद, चमकीली आंखें और शांत गुस्से ने दर्शकों को हैरान कर दिया था। विलेन के रूप में बॉबी देओल को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म पद्मावत (2018) में **रणवीर सिंह** ने विलेन अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाया। इस फिल्म में नायक से ज्यादा खलनायक को दमदार दिखाया गया। अलाउद्दीन खिलजी का किरदार बेरहम, जुनूनी और डरावना था। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म अग्निपथ में **संजय दत्त** ने विलेन का किरदार निभाया। कानों में कुंडल और बिना बालों के संजय दत्त के लुक को काफी पसंद किया गया। फिल्म में वह ड्रग डीलर बने हैं। ऋतिक रोशन के अपोजिट संजय दत्त ने एक डरावना लेकिन आकर्षक अभिनय किया।

भगवान शिव का किरदार निभाने को लेकर बोले मोहित मलिक

मोहित मलिक ने डोली अरमानों की और कुल्फी कुमार बाजेवाला जैसे टीवी शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। वह दो दशक से भी ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। दर्जनों टीवी शोज और वेब सीरीज कर चुके मोहित मलिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस वक्त वह माइथोलॉजिकल शो महागाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में काम कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। मोहित मलिक ने अपने इस किरदार के अलावा 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी बहस पर बात की।

मोहित मलिक पहली बार माइथोलॉजिकल शो में काम कर रहे हैं। वह गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। इस शो में काम करने की वजह पर वह कहते हैं, इस शो मेकर्स का नजरिया अलग था। उन्होंने मुझे कंवींस किया कि वह इसका प्रेजेंटेशन वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने मुझे बताया है। फिर इसमें शिव का रूप भी एकदम अलग है। वह उस तरह का टिपिकल नहीं है जैसा लोग अब तक देखते आए हैं। शिव और उनके परिवार को इंसानी रूप में दिखाया गया है। बकौल मोहित, शिव के आशुतोष रूप का प्रभाव मेरे ऊपर सबसे ज्यादा पड़ा है क्योंकि वह बहुत भोला है, दयालु हैं और सबको जल्दी से माफ कर देते हैं। मैं उनसे सबसे ज्यादा कनेक्ट करता हूं।

AI का एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर कैसा रहेगा प्रभाव?

मोहित ने इस दौरान मनोरंजन जगत में AI पर भी बात की। जब हमने पूछा कि AI एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किस तरह प्रभावित करेगा? तो मोहित ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि कभी पूरी तरह AI से फिल्में और शोज़ बनेंगे। हालांकि यह बहुत अच्छी तकनीक है लेकिन उसे एक सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी AI बेस्ड महाभारत देखूंगा क्योंकि मुझे असली परफॉर्मेंस, असली लोग, असली इमोशंस चाहिए। ऑडियंस भी एक्टर से कनेक्ट होती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कभी पूरे AI बेस्ड शो बनेंगे।

पैसे को लेकर आपका पहला सबक क्या है?

मेरी जिंदगी में पैसा कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। मैं हमेशा से अच्छा काम करना चाहता था। बस इतना था कि मैं अपना घर खरीद लूं और गाड़ी ले लूं। लेकिन अब लगता है कि थोड़ा सा बैलेंस होना चाहिए क्योंकि अब मेरे पास परिवार है। जैसे पहले मैं रोल को तवज्जो देता था और सोचता था कि उसके लिए पैसों से समझौता कर लूंगा। लेकिन अब मैं पैसों को लेकर समझौता नहीं करता। अब मैं जो डिजर्व करता हूं, वह मांगता हूं और वह मिल भी रहा है।

8 घंटे नहीं 12 घंटे की वर्किंग शिफ्ट ठीक

मोहित मलिक ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर कहा, हमारे यहां आमतौर पर 12 घंटे की शिफ्ट होती है और मुझे उससे कोई समस्या नहीं है। जो लोग यह कहते हैं कि बस आठ घंटे की वर्क शिफ्ट होनी चाहिए, तो यार आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के बारे में भी तो सोचो। एक एक्टर सेट पर आता है, फिर एक घंटा वह मेकअप करवाता है। तो आठ घंटे में कितना ही काम होगा। मुझे 12 घंटे ठीक लगते हैं। मैं उससे ज्यादा शूटिंग नहीं करता। हां, ये जरूर है कि शूटिंग के घंटे 14 नहीं होने चाहिए। 14 घंटे आप बतौर एक्टर काम कर भी नहीं सकते। 12 घंटे से ज्यादा काम करना आसान नहीं होता। मगर आठ घंटे से प्रोड्यूसर का बहुत नुकसान होगा।

आपकी पहली कमाई क्या थी?

मेरी पहली कमाई दिल्ली में थी और उससे मैंने कुछ खरीदा नहीं था। मैंने अपनी दादीजी को जाकर चेक दे दिया था। उसके बाद तो मैंने शुरू में कपड़े खरीदना और जो लड़कों के शौक होते हैं, वह पूरे किए थे।

आपका सेविंग मंत्र क्या है?

सेविंग मंत्र है कि लगभग 30-40 फीसदी कमाई में से बचाना होता है। ज़ाहिर है कि सेविंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि हम जिस ऐक्टिंग की इंडस्ट्री में हैं, वह बहुत ही अनिश्चित है। हालांकि हम देखते हैं कि हमारा मासिक खर्च कितना है और हम कितना बचा सकते हैं।
आपने अब तक सबसे महंगा खर्च क्या किया है?
सबसे महंगा तो मैंने अपना घर ही लिया है मुंबई में।

आपका रिटायरमेंट प्लान क्या है?

मैंने उसे लेकर कोई प्लान नहीं बनाया है। इसलिए चाहता हूं कि जब तक जिंदा रहूं, एक्टिंग करता रहूं।
आप युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगे?
पैसे की सेविंग बहुत जरूरी है। और उसी के साथ जिंदगी एंजॉय करनी भी जरूरी है। सिर्फ सेविंग के चक्कर में आज की जिंदगी मत गंवाओ। तो जितना कमा रहे हो, उसमें से थोड़ा एंजॉय करने के लिए खर्च करो। मगर पूरा मत खर्च करो। थोड़ा सेविंग भी करो।

आरसीबी के बाद एक और आईपीएल फ्रेंचाइजी बिकने के लिए तैयार, वैल्यूएशन में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग अपने इतिहास के सबसे बड़े ओनरशिप बदलाव का गवाह बन सकता है। लीग में शुक्रवार को उस समय खलबली मच गई, जब जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर दावा किया कि दो लोकप्रिय फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और राजस्थान रॉयल्स (RR) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि इन दावों पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने क्रिकेट जगत और निवेशकों के बीच बड़ी चर्चा छेड़ दी है। माना जा रहा है कि टीम मालिक मौजूदा ऊंची वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए फ्रेंचाइज़ी बेचने पर विचार कर रहे हैं।

हर्ष गोयनका के दावे से तेज हुई अटकलें

हर्ष गोयनका ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि न सिर्फ एक, बल्कि दो IPL टीमें खरीददार तलाश रही हैं। उन्होंने संभावित नए मालिकों के तौर पर पुणे, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु और USA के ग्रुपों के शामिल होने की संभावना जताई। इस बयान ने आग में घी का काम किया और IPL की ओनरशिप स्ट्रक्चर पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

राजस्थान रॉयल्स: क्या वाकई बिक्री की तैयारी में है फ्रेंचाइजी?

RR को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की ओनरशिप रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। इसके मेजॉरिटी शेयरहोल्डर मनोज बडाले हैं, जिन्हें रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स का मजबूत समर्थन प्राप्त है। ना फ्रैंचाइजी और ना ही ओनरशिप ग्रुप ने बिक्री पर कोई बयान जारी किया है। यानी RCB के विपरीत राजस्थान के मामले में दावे अब भी अफवाहों के दायरे में हैं। इसके बावजूद गोयनका के पोस्ट के बाद चर्चाएं काफी बढ़ गई हैं।

RCB: सबसे पारदर्शी और पक्की बिक्री प्रक्रिया

RCB के मामले में तस्वीर काफी साफ है। टीम की पेरेंट कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (स्रु) ने 5 नवंबर 2025 को टीम पर अपने निवेश का स्ट्रेटेजिक रिव्यू घोषित किया। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा और इसमें तीन संभावनाएं हैं, टीम की पूरी बिक्री, आंशिक हिस्सेदारी बेचना और फ्रेंचाइजी का पूरा स्ट्रक्चर बदलना। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम मालिक डियाजियो RCB की वैल्यूएशन स्ठ्ठ 2 बिलियन (लगभग रू.17,000-18,000 करोड़) के करीब आंक रहे हैं। अगर यह डील फाइनल होती है, तो RCB दुनिया की सबसे महंगी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में शामिल हो जाएगी।

नए खरीददार कौन हो सकते हैं?

नए ओनर के संभावित नामों में कई हाई-प्रोफाइल इंडस्ट्री लीडर्स दिखाई दे रहे हैं। चर्चित नामों में अदार पूनावाला भी शामिल हैं, जिनकी रुचि इस बिक्री में बताई जा रही है। कई अन्य ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म्स भी इस रेस में उतर सकती हैं। एनालिस्ट्स की राय में RCB की बिक्री 2026 IPL सीजन से पहले भी पूरी हो सकती है।

IPL पर पड़ सकता है बड़ा असर

अगर RCB और RR दोनों टीमों का मालिकाना हक बदलता है, तो IPL के इकोसिस्टम में बड़े बदलाव संभव हैं। नए मालिक फ्रेंचाइजी में ताज़ा निवेश ला सकते हैं। टीम मैनेजमेंट, रणनीतियों और खिलाड़ी खरीद के तरीके में बदलाव दिख सकता है। ब्रांड आइडेंटिटी और फैन कनेक्ट पर भी प्रभाव पड़ सकता है, खासकर RCB जैसी लोकप्रिय टीम में। इन संभावित बदलावों के कारण IPL का अगला चरण नए बिजनेस मॉडल, नई रणनीतियों और नई प्रतिस्पर्धा के साथ और भी रोमांचक हो सकता है।

विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी। ऐसें में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस याराने को खूब पसंद कर रहे हैं।

गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारुप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने आज से पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंच। लंबे समय बाद इन तीनो को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

2027 विश्वकप तक कोच बने रहेंगे गंभीर : बीसीसीआई

BCCI

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद जहां प्रशंसकों और कई पूर्व क्रिकेटरों ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाने की मांग की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार करते हुए गंभीर पर भरोसा बनाये रखा है। बीसीसीआई के अनुसार अभी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और ऐसे में उन्हें अपने काम को करने दिया जाएगा।

गंभीर 2027 विश्वकप तक टीम के साथ बने रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान पिच, अंतिम ग्यारह और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी क्रम को को लेकर भी गंभीर की रणनीति पर सवाल उठे हैं। गंभीर की ही कोचिंग में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार अभी वह तीनों ही प्रारुपों में मुख्य कोच बने रहेंगे।

बीसीसीआई ने गंभीर को तीन साल के लिए भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। उनका कार्यकाल 2027 विश्व कप तक चलेगा। गंभीर के मार्गदर्शन में भले ही भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। मगर उनकी कोचिंग में ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत है।माना जा रहा है कि गंभीर के कोच रहते ही टीम टी20 में आक्रामक होकर उभरी है जिससे उसका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। रिपोर्ट में ये बातें भी सामने आई है कि गंभीर से होने वाली बैठक में टीम के प्रदर्शन को सुधारने को लेकर बात की जाएगी और जरूरी फैसले भी लिए जाएंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सुपर ओवर में हरियाणा ने पंजाब को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान अंकित कुमार और निशांत सिंधु के अच्छे प्रदर्शन से हरियाणा ने शुक्रवार को हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप सी क्रिकेट मुकाबले में पंजाब को सुपर ओवर में हरा दिया। जिमखाना क्रिकेट मैदान में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 207 रन बनाए। शुरुआती विकेट गिरने के बाद अंकित ने निशांत के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 74 रन बनाकर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। अंकित ने 26 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 51 रन बनाये।

वहीं निशांत संधु ने यशवर्धन दलाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 62 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। निशांत ने 33 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 61 रन बनाये। यशवर्धन दलाल ने 27, जबकि सुमित कुमार ने 28 रन बनाये।

वहीं पंजाब की ओर से अश्विनी कुमार ने ने 3 विकेट जबकि अभिषेक शर्मा, रमनदीप सिंह, हरप्रीत बरार और मयंक मार्कंडेय ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम ने 20 ओवरों में ही 7 विकेट पर 207 रन बना दिये। शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाजों के विकेट खोने के बाद साहिल अरोड़ा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन बनाकर पारी को संभाला। साहिल ने 18 गेंदों में 11 रन बनाये

नवल वढेरा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन बनाकर टीम को 145 के स्कोर तक पहुंचाया। अनमोलप्रीत ने 37 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ सबसे अधिक 81 रन बनाये। इनके अलावा, सनवीर सिंह ने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए और टीम को और टीम को 207 रनों पर पहुंचा दिया और मैच बराबरी पर आया गया।

हरियाणा की ओर से अंशुल कंबाज, युजवेंद्र चहल और सामंत जाखड़ ने 2-2 विकेट लिए।।

इसके बाद सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। यहां पंजाब ने 3 गेंदों में दो विकेट खोकर एक रन बनाया। वहीं हरियाणा की टीम ने पहली गेंद पर ही चौके लगाकर मैच जीत लिया।

क्या दूसरी शादी करने जा रहे चहल ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल लगता है दूसरी शादी करने जा रहे हैं। इसका अंदाजा चहल की उसे पोस्ट से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। चहल की पहली शादी साल 2020 में डांसर धनश्री वर्मा से हुई थी पर अब दोनो का तलाक हो गया है। दोनों की ये शादी ज्यादा दिन तक चल नहीं पाई और साल 2022 में ही दोनों अलग हो गये थे। वहीं मार्च 2025 में इनका तलाक हो गया। वहीं अब चहल ने सोशल मीडिया में तस्वीर पोस्ट कर बताया कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, ॠशादी के लिए तैयार हूं, बस एक लड़की चाहिए।ॠ उनकी इस पोस्ट से

प्रशसंकों की धड़कन बढ़ गयी है। कुछ ने जश्न मनाया है जबकि कुछ उन्हें पुरानी बातें याद दिला रहे हैं इसके अलावा कुछ ने आरजे महवश को भी टैग किया है। वहीं धनश्री ने एक शो में बताया था कि उनकी शादी लव और अरेंज दोनों थी। पहले अरेंज मैरिज की तरह शुरू हुई थी। वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहता था और मैं शादी के बारे में सोच भी नहीं रही थी। लेकिन जब उससे मिली और उसने मुझे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तब मैं शादी के लिए मान गई थी।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर जाहिर की खुशी

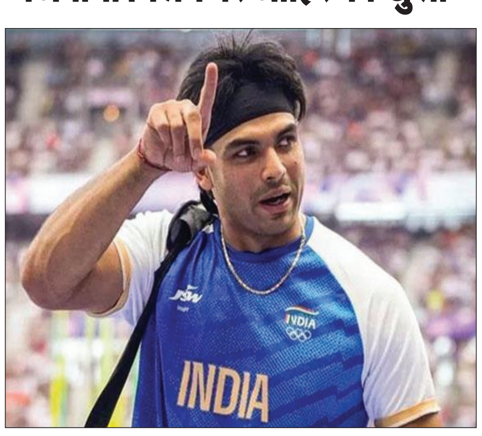

नई दिल्ली । ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने भी भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को अपार गर्व से भर देता है।' भारत के गुजरात प्रांत का अहमदाबाद शहर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। हाल में ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) की आम बैठक में राष्ट्रमंडल के 74 सदस्य देशों ने इन खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के नाम पर आधिकारिक मुहर लगा दी। राष्ट्रमंडल खेलों की महासभा की बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने इन खेलों के लिये अहमदाबाद में मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

राहुल की कप्तानी में अब एकदिवसीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेंगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब केएल राहुल की कप्तानी में 30 नवंबर से दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार से उबरना रहेगा। नियमित कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के कारण इस सीरीज में राहुल की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखना होगा। इस सीरीज में जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लेफ्ट-राइट मिश्रण, मध्यक्रम और गेंदबाज़ी ऑर्डर मिट्टी पर असर डाल सकते हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से भारतीय टीम को लाभ होगा हालांकि उसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों से सावधान रहना होगा।

वहीं टैम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम इस पकार है। पहला एकदिवसीय मैच- 30 नवंबर 2025, रांची में दोपहर 1=30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा एकदिवसीय मैच- 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में खेला जाएगा।तीसरा एकदिवीसय मुकाबला- 6 दिसंबरको विशाखापत्तनम में होगा। तीनों ही मैच दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से खेले जाएंगे

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा,ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका: टैम्बा बावुमा (कप्तान), ओत्तनेल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवॉल्ड ब्रेविस, नांद्र बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को जैनसन, एडेन मार्कराम, लुंगी ङ्गिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायेन।

यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर डेविड बेकहम भारत की यात्रा पर, बच्चों से मिले

मुंबई । यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर सर डेविड बेकहम इस सप्ताह भारत की यात्रा के दौरान बच्चों और युवाओं से मिले और हर बच्चे के लिए समान अवसर, समावेशन और सशक्तिकरण की अपील की। बेकहम ने कहा, 'मैं आज मैं जिन बच्चों और युवाओं से मिला, उनके जोश, हिम्मत और जुनून को देखकर मैं बहुत खुश हूं। वे कम उम्र में ही बदलाव के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपने भविष्य पर अपनी बात रख रहे हैं। वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं और कई चुनौतियों को पार कर यहां तक पहुंचे हैं। उनका सफर हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों और युवाओं में इन्वेस्ट करते रहना चाहिए।' मुंबई के कूपरेज फुटबॉल ग्राउंड्स में बेकहम ने 12 वर्षीय खुशी और 10 वर्षीय रोहित से मुलाकात की, जिन्हें फुटबॉल ने अपनी ओर आकर्षित किया। फुटबॉल ने उन्हें जीवन कौशल सीखने, आत्मविश्वास, आनंद और अपनापन का अनुभव दिया। खुशी ने कहा, 'मैं हमेशा बहुत शांत और अलग-थलग रहती थी। फुटबॉल खेलने से मुझे खुलने और बेहतर संवाद करने में मदद मिली। मैंने दूसरों के साथ बातचीत करना और निर्णय लेना सीखा।' बेकहम ने यूनिसेफ के सपोर्ट वाले एक प्रोजेक्ट के छोटे बच्चों से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य मुंबई को रहने और खेलने के लिए बेहतर स्थान बनाना है, जहां हर नागरिक अपने समुदाय का समर्थन करने के लिए एकजुट होता है। 9 साल के तीर्थ, जो वेस्ट कम्पोस्ट चैंपियन हैं, ने कहा, 'जब मैंने देखा कि हमारे स्कूल का कचरा कम्पोस्ट में बदल रहा है और पौधों को बढ़ने में मदद कर रहा है – तो मुझे एहसास हुआ कि हम सिर्फ सफाई नहीं कर रहे हैं; हम धरती को वापस जीवन दे रहे हैं।' यूनिसेफ इंडिया प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, 'पिछले 20 सालों से यूनिसेफ के गुडविल एंबेसडर के तौर पर, सर डेविड बेकहम ने लगातार दुनिया के बच्चों और उनके सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया है। वह भारत और दुनिया भर के बच्चों के लिए एक प्रेरणा हैं और उनकी सराहना उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता के साथ शादी के बंधन में बंधे

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता शनमुगनाथन के साथ शादी के बंधन में बंध गये है। चेन्नई में पारंपरिक हिंदू रस्मों से ये शादी हुई। इसमें दोनो के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। दोनो की शादी की तस्वीरें सामने आते ही प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी है। संयुक्ता और अनिरुद्ध की शादी बेहद सादगी और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुई। इनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही तेज़ी से वायरल हो गईं, प्रशंसकों ने इन्हें ने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। इसके अलावा, दोनों ने एक विशेष वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें परिवार, उनके बेटे और करीबी दोस्तों के साथ बिताए भावुक और खुशियों भरे पल शामिल थे। संयुक्ता और अनिरुद्ध ने अपने रिश्ते की झलक पहली बार दिवाली के दौरान दी थी, जब उन्होंने एक साथ तस्वीर पोस्ट की थी। इस तस्वीर ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी और दोनों की संभावित सगाई और शादी को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थीं जो शादी से के साथ ही समाप्त हो गयीं।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराना मेरे करियर का सबसे गर्व का पल था: बाबर आजम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार उपलब्धि का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कप्तान के तौर पर भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 में मिली ऐतिहासिक जीत उनके पेशेवर सफर का सबसे गर्व भरा पल है। यह वही मुकाबला था जिसने पाकिस्तान के विश्व कप इतिहास में पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस यादगार मैच ने न केवल बाबर के नेतृत्व को नई पहचान दी, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट की मनोवैज्ञानिक बाधा भी तोड़ी।

भारत के खिलाफ पहली वर्ल्ड कप जीत

बाबर आज़म ने केविन पीटरसन के YouTube शो द स्विच पर बातचीत में बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप की वह रात उनके करियर का निर्णायक पल थी। इससे पहले पाकिस्तान 12 वर्ल्ड कप मैचों में भारत को कभी नहीं हरा पाया था। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात देकर नया इतिहास रचा। बाबर ने कहा कि कप्तान के रूप में भारत को हराना उनके लिए किसी भी ट्रॉफी जितने सम्मान का एहसास था।

बाबर और रिज़वान की रिकॉर्ड साझेदारी

टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाज़ी के दम पर भारत को 151 रन पर रोक दिया। विराट कोहली की फिफ्टी के अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर नहीं कर पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की ओपनिंग जोड़ी मोहम्मद रिज़वान (79*) और बाबर आज़म (68*) ने बिना विकेट खोए मैच खत्म कर दिया। यह जीत सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए मनोबल बढ़ाने वाला मोमेंट था।

बाबर की करियर-डिफाइनिंग इनिंग्स

बाबर ने अपनी कुछ खास इनिंग्स का भी ज़िक्र किया। उनके अनुसार, दक्षिण अफ्रीका दौरा उनके क्रिकेटिंग माइंडसेट के लिए टर्निंग पॉइंट था, जहाँ उन्होंने डेल स्टेन और कागिसो रबाडा की आक्रमक गेंदबाज़ी के खिलाफ महत्वपूर्ण पारियाँ खेलीं।2019 वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनकी मैच-विनिंग इनिंग को वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक मानते हैं।

कप्तानी छूटने के बाद बाबर का नया लक्ष्य

2023 ODI वर्ल्ड कप और 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर को कप्तानी से हटाया गया। हालांकि हाल ही में टीम में वापसी के बाद बाबर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य पाकिस्तान को ICC खिताब दिलाना है। उन्होंने बताया कि वे फिटनेस और स्किल्स पर पहले से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं ताकि देश के लंबे इंतजार को खत्म किया जा सके।

ICC ट्रॉफी जीतना है सबसे बड़ा सपना

बाबर का मानना है कि पाकिस्तान काफी करीब आ चुका है और सही तैयारी तथा फोकस के साथ टीम बड़े टूर्नामेंट जीत सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान ICC ट्रॉफी उठाए। इसके लिए मैं खुद को और बेहतर बनाने में जुटा हूं।'

सैंटियागो नीवा बने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के नये मुख्य कोच, 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करेंगे टीम

नई दिल्ली । स्वीडन के सैंटियागो नीवा भारतीय महिला मुक्केबाज टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने नीवा को मुख्य कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा है कि उनके आने से मुक्केबाजी टीम और बेहतर होगी। नीवा साल 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी रहे हैं। इस दौरान उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। नीवा के ही मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने 2019 विश्वकचैंपियनशिप में पदक जीते थे। तब अमित पंघाल ने रजत जबकि मनीष कौशिक ने कांस्य पदक जीता था। इसके बाद भारतीय टीम ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में सबसे बड़ी टीम उतारी। इसमें लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य पदक जीता। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक को देखते हुए नीवा का लक्ष्य सभी वजन वर्ग में भारतीय महिला खिलाड़ियों को बेहतर बनाना रहेगा। नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा का कोचिंग अनुभव है, उन्होंने विश्व मुक्केबाजी में काफी अच्छी भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित विश्व कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। इस मौके पर नीवा ने कहा, मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं। मेरे पिछले कार्यकाल के पांच साल बहुत शानदार रहे हैं। मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल करेंगे। भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है। ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति विजकार्रा को 14 साल की जेल

लीमा, एजेंसी। पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा को एक दक्षिणी राज्य के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार योजना में उनकी भूमिका के लिए 14 साल जेल की सजा सुनाई है। विजकार्रा को तत्काल कारावास की सजा सुनाई गई और सार्वजनिक पद से नौ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि विजकार्रा ने मोकेगुआ के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दो प्रमुख परियोजनाओं – एक सिंचाई प्रणाली और एक अस्पताल के निर्माण – के लिए ठेके देने के बदले में कंपनियों से अवैध भुगतान प्राप्त किया था। अधिकारियों ने विजकार्रा पर निर्माण कंपनियों से लगभग 611,000 डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने 15 वर्ष की जेल की सजा का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में चेक पोस्ट पर आतंकवादी हमले में 3 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को एक जांच चौकी पर आतंकवादियों के हमले में तीन पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। जिला पुलिस अधिकारी खान जैब ने बताया कि यह हमला हांगू जिले के काजी तालाब पुलिस चेकपोस्ट पर हुआ, जब आतंकवादियों ने पास के पहाड़ से सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की। पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। हालांकि, गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। जैब ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा की और बिना किसी देरी के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजने का आदेश दिया।

नेपाल : जेन–जी और यूएमएल कैडरों में झड़प, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार हिंसा

धनगढ़ी, एजेंसी। नेपाल के धनगढ़ी शहर में बुधवार को जेन–जी समूह और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी सीपीएन–यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। एक सप्ताह के भीतर हिंसा की यह दूसरी घटना है। इस झड़प में प्रदर्शनकारी एक जेन–जी को हल्की चोट आई है। यूएमएल नेता महेश बसनेत के शहर में आने से पहले जेन–जी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तनाव तब बढ़ा, जब बाइक पर आए यूएमएल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। बसनेत नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनगढ़ी जा रहे थे। कैलाली जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, पिछले सप्ताह बारा जिले में हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस ने पहले ही सुरक्षा कड़ी कर दी थी। रविवार को कुछ जेन–जी ने बिराटनगर हवाई अड्डे के पास महेश बसनेत की गाड़ी पर स्याही फेंक दी थी। इससे कुछ ही दिन पहले सिमरा चौक पर यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और बसनेत को रोकने की कोशिश कर रहे जेन–जी कार्यकर्ताओं और यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें छह युवा घायल हो गए थे। इस दौरान पथराव हुआ था। हवाई अड्डे पर तोड़फोड़ के कारण उड़ानों को कई घंटों के लिए रोकना पड़ा था।

इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव, सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान–प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान–प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 नेशनल गार्ड्स गंभीर घायल

अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार, ट्रम्प ने यहां के शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में बुधवार शाम व्हाइट हाउस से दो ब्लॉक दूर हुई फायरिंग में नेशनल गार्ड्स के दो मेंबर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे इसी साल मंजूरी मिली थी। हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने दौड़कर हमलावर को काबू कर लिया। गिरफ्तार होने से पहले लाकनवाल को चार गोलियां लगीं और उसे लगभग बिना कपड़ों के एम्बुलेंस में ले जाया गया।

ट्रम्प बोले- यह मानवता के खिलाफ अपराध है : अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट इस मामले को आतंकवादी हमले के तौर पर जांच रहा है। हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने पेंटागन को निर्देश दिया कि वॉशिंगटन डीसी में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 500 एक्स्ट्रा नेशनल गार्ड्स भेजे जाएं। ट्रम्प ने कहा कि आरोपी इसकी भारी कीमत चुकाएगा। एपी की खबर के मुताबिक एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि एक गार्ड को सिर में गोली लगी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने संदिग्ध को जानवर कहा है। उन्होंने कहा कि वो इसकी बहुत भारी कीमत चुकाएगा।

ट्रम्प ने ट्रुथ पर लिखा- हमारी महान नेशनल गार्ड और सुरक्षा बलों पर गर्व है। मैं और मेरी पूरी टीम उनके साथ है। यह पूरे राष्ट्र के खिलाफ अपराध है। यह मानवता के खिलाफ अपराध है।

अभी तक आरोपी का मकसद साफ नहीं : रिपोर्ट के मुताबिक, लाकनवाल ऑपरेशन एलाइज वेलकम प्रोग्राम के तहत अमेरिका में आया था। उसे वॉशिंगटन के बेलिंगहैम बसाया गया था। पुलिस का कहना है कि लखनवाल ने अकेले ही यह हमला किया और अब तक इसका मकसद साफ नहीं है। एनबीसी और वॉशिंगटन पोस्ट का कहना है कि स्र्क्ष्ह्र इस मामले को आतंकी हमले के रूप में जांच कर रही है। ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर की आलोचना करते हुए दावा किया कि संदिग्ध को बाइडेन प्रशासन के समय अमेरिका लाया गया था।

क्या था मकसद : राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के सामने हुई इस गोलीबारी को लेकर डीसी के मेयर म्यूरिल बाउजर ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने यह टार्गेटेड अटैक किया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक आरोपी वहां ऐसे ही टहलते हुए आकर एक मोड़ पर रुका और उसने हैंडगन निकालर फायरिंग करनी शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फायरिंग का शिकार दोनों नेशनल गार्ड्स सदस्यों के सिर में गोली लगी है, जिससे उनकी हालत गंभीर है। इस गोलीबारी के बाद आसपास मौजूद अन्य सदस्यों ने तुरंत ही वहां आकर हालात को काबू में किया। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। उसका क्या मकसद था इसके बारे में फिलहाल जांच के बाद ही पता चलेगा।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों संग किया काम : एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि रहमानुल्लाह पिछले काफी समय से वाशिंगटन में ही रह रहा है, लेकिन अभी उसकी और जानकारी निकाली जा रही है। एनबीसी ने रहमानुल्लाह के एक करीबी रिश्तेदार के हवाले से बताया कि रहमानुल्लाह और उसकी पत्नी के कुल पांच लड़के हैं। 2021 में अमेरिका आने से पहले वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के साथ काम करता था। लकनवाल ने 10 साल तक अफगान सेना में काम किया। उस दौरान वह कंधार के एक अड्डे पर तैनात रहा।

एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट, सेना ने कब्जाया राष्ट्रपति भवन

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर आकर बताया कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा कर लिया है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी थी। गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट ऐसे समय हुआ है, जब तीन दिन पहले ही वहां आम चुनाव हुए। गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति ने भी फ्रांसीसी मीडिया से बताया कि उन्हें पद से हटा दिया गया है और गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेना ने राष्ट्रीय टीवी पर जारी किया बयान : गिनी बिसाऊ की सेना के प्रवक्ता डिनीस एन चामा ने एक बयान जारी कर बताया कि 'सैन्य कमांड ने राष्ट्रपति को पद से हटा दिया है। नए आदेश तक सभी लोकतांत्रिक संस्थान भी बर्खास्त रहेंगे।' सेना के प्रवक्ता ने बताया कि देश को अस्थिर करने की साजिश रची जा रही थी और चुनाव में भी धांधली की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ राष्ट्रीय नेता, ड्रग माफिया और कुछ विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर साजिश रच रहे थे। हालांकि सैन्य प्रवक्ता ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। सेना द्वारा गिनी बिसाऊ के सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं और मीडिया संस्थानों की गतिविधियों को भी सीमित कर दिया गया है।

गिनी बिसाऊ में तख्तापलट का लंबा इतिहास : पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में इससे पहले भी चार बार तख्तापलट हो चुका है और कई बार तख्तापलट की कोशिश हो चुकी है। बीते महीने भी तख्तापलट की कोशिश की गई थी। गिनी बिसाऊ ड्रग तस्करी का भी गढ़ बनकर उभरा है और यहां से बड़े पैमाने पर दक्षिण अमेरिकी और यूरोपीय देशों में ड्रग तस्करी की जाती है। गिनी बिसाऊ में रविवार को हुए चुनाव का अभी तक नतीजा जारी नहीं हुआ है, लेकिन राष्ट्रपति उमारो सिसोको एंबोलो और विपक्षी नेता फर्नांडो डियास डा कोस्टा दोनों ने ही जीत का दावा किया है।

कैसे हुआ तख्तापलट : बुधवार दोपहर में राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति भवन जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया था और जगह-जगह हथियारबंद सेना के जवान तैनात थे। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद सेना के जवानों ने राष्ट्रपति भवन पर हमला किया और इस दौरान सेना के जवानों और राष्ट्रपति भवन के गार्ड्स के बीच गोलीबारी हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुनाव आयोग के कार्यालय को सील कर दिया गया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में साल 2020 से कई तख्तापलट हो चुके हैं।

बांग्लादेश में झुग्गी-बस्ती में लगी आग से जलीं 1500 से ज्यादा झोपड़ियां, हजारों लोग बेघर हुए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित भीड़भाड़ वाले कोरेल झुग्गी-बस्ती में लगी भीषण आग ने करीब 1,500 झोपड़ियों को जला दिया या नुकसान पहुंचाया। इसके चलते यहां रहने वाले हजारों लोग बेघर हो गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार शाम को लगी और लगभग 16 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को बुझाई जा सकी। अग्निशमन सेवा के ड्यूटी अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि आग को पूरी तरह नियंत्रित करने में काफी समय लग गया। दमकल सेवा के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि करीब 1,500 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुईं, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोरेल स्लम में करीब 60,000 परिवार रहते हैं, जिनमें से कई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होकर आए शरणार्थी हैं। 160 एकड़ (65 हेक्टेयर) में फैला यह बस्ती ढाका के पॉश गुलशन और बनानी क्षेत्रों के बीच स्थित है और इसके चारों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें हैं।

बताया जाता है कि आग लगने के बाद बस्ती में भारी धुआं फैल गया और निवासी रातभर अपनी झोपड़ियों को आग की लपटों में घिरते देखते रहे। बुधवार को लोग मलबे से अपनी बची-कुची चीजें निकालने की कोशिश करते दिखे। दमकलकर्मियों ने बताया कि बेहद संकरी गलियां होने के कारण मौके तक पहुंचना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

ढाका, जिसकी आबादी 2024 तक लगभग 1.02 करोड़ है, में सैकड़ों झुग्गी बस्तियां हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबी और शोषण के कारण लोग आकर बसते हैं। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं भी लोगों को शहर की इन बस्तियों में रहने को मजबूर करती हैं, जहां वे रिक्शा चलाने, घरेलू कामकाज और सफाई कार्य जैसे दिहाड़ी कार्यों से गुजारा करते हैं।

जर्मनी बोला- रूस जंग खत्म करने को तैयार नहीं

देश का रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान ; 2029 तक नाटो पर हमला कर सकते हैं पुतिन

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा है। बुधवार को जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई इच्छा नहीं दिखती। बोरिस ने कहा, पुतिन की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। बोरिस ने बताया कि इसी वजह से जर्मनी अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही यूक्रेन को सैन्य मदद भी बढ़ाएगा।

2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस : जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने मंगलवार चेतावनी दी है कि रूस अगले चार साल में किसी ह्वञ्जह्र देश पर हमला कर सकता है। उन्होंने यह बात बर्लिन फॉरेन पॉलिसी फोरम में कही। वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

नाटो चीफ बोले– रूस शांति समझौते के बाद भी खतरा : नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में अगर शांति समझौता भी हो जाए, तब भी रूस यूरोप के लिए लंबे समय तक खतरा बना रहेगा। उन्होंने यह बयान ब्रसेल्स में स्पेनिश अखबार एल पाइस को दिए इंटरव्यू में दिया।

रुटे ने यह भी कहा कि यूरोप का कोई भी देश यह न सोचे कि वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि रूसी मिसाइलें कुछ ही मिनटों में किसी भी यूरोपीय शहर तक पहुंच सकती हैं। रुटे ने यूक्रेन मुद्दे पर ट्रम्प की कूटनीतिक कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नया शांति प्रस्ताव आगे बातचीत की अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए जो दबाव बनाया, वह बिल्कुल जरूरी था। उन्होंने नाटो के सदस्य देश स्पेन को आने वाले समय में अपना रक्षा बजट को बढ़ाने की भी सलाह दी।

दक्षिण कोरिया ने नूरी रॉकेट से सबसे बड़ा सैटेलाइट किया लॉन्च, स्पेस मिशन में मिली बड़ी कामयाबी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत गुरुवार तड़के अपना अब तक का सबसे बड़ा सैटेलाइट नूरी रॉकेट से लॉन्च किया। यह प्रक्षेपण देश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि 2027 तक छह मिशन पूरे करने की राष्ट्रीय योजना में यह चौथा लॉन्च है। इस मिशन ने दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता को एक बार फिर उजागर किया है। तीन चरणों वाला नूरी रॉकेट दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित गोहुड के अंतरिक्ष केंद्र से सुबह उड़ान भरा। एयरोस्पेस अधिकारियों के अनुसार, रॉकेट का उद्देश्य 516 किलोग्राम वजनी विज्ञान सैटेलाइट समेत 12 माइक्रो-सैटेलाइट्स को कक्षा में स्थापित करना है। लॉन्च के बाद अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि सभी सैटेलाइट्स सही ऊंचाई पर पहुंचते हैं या नहीं।

मुख्य सैटेलाइट की विशेषताएं : इस मिशन में भेजा गया मुख्य सैटेलाइट पृथ्वी से 600 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में घूमने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक वाइड-रेंज एयरग्लो कैमरा लगाया गया है, जो ऑरोरा जैसी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा इसमें प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों की जांच करने वाली अलग-अलग प्रणालियां भी शामिल हैं। सैटेलाइट पर जीवन-विज्ञान से जुड़े प्रयोगों को अंतरिक्ष में परखने का एक विशेष सिस्टम भी लगाया गया है।

12 छोटे 'क्यूब' सैटेलाइट्स भी भेजे गए : इस मिशन की एक और खास बात यह रही कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों द्वारा तैयार 12 छोटे क्यूब सैटेलाइट्स भी रॉकेट में शामिल थे। इनमें लगाई गई तकनीकों में जीपीएस आधारित पृथ्वी के वायुमंडल का अध्ययन, समुद्री प्लास्टिक पर नजर रखने के लिए इन्फ्रारेड कैमरे, सौर सेल परीक्षण सिस्टम और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की परख करने वाली इकाइयां शामिल हैं।

पिछले लॉन्च की तुलना में बड़ा कदम : यह प्रक्षेपण नूरी रॉकेट का मई 2023 के बाद पहला लॉन्च है। इससे पहले 2023 में नूरी रॉकेट ने 180 किलोग्राम वजनी अवलोकन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया था। नूरी का पहला लॉन्च अक्टूबर 2021 में किया गया था, जो डमी सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने में असफल रहा था। इसलिए इस चौथे प्रयास को दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में स्थिरता और सुधार का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इस मिशन की सफलता से दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को नई ऊर्जा मिली है। नूरी कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले अगले दो मिशन 2027 तक पूरे किए जाएंगे, जिनमें और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

ट्रंप ने वार्षिक थैंक्सगिविंग में टर्की पक्षी को माफ किया, डेमोक्रेट नेताओं पर किए कटाक्ष

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में थैंक्सगिविंग समारोह में टर्की पक्षी को औपचारिक माफी देकर व्हाइट हाउस की पारंपरिक रस्म में सद्भावना के बजाय डेमोक्रेट्स का अपमान किया। उन्होंने टर्की को अल साल्वाडोर की एक बदनाम जेल में भेजने का मजाक उड़ाया, जिसका इस्तेमाल अमेरिका से निकाले गए शरणार्थियों को रखने के लिए किया जाता है। वह बोले, पक्षियों का नाम डेमोक्रेटिक दिग्गज चक शूमर और नैंसी पेलोसी के नाम पर चक और नैंसी होना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मैं उन्हें (डेमोक्रेट्स को) माफ नहीं करूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि गत वर्ष राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से टर्की को दी गई माफी अमान्य थी क्योंकि उन्होंने ऑटोपेन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, हंटर (बाइडन) कहां है? इसके साथ ही उन्होंने इशारा दिया कि पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को एक बार फिर कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंत में हंटर बाइडन को माफी देने के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने यह सब मजाक तब शुरू किया जब उन्होंने इलिनोइस के गवर्नर और डेमोक्रेट नेता जेबी प्रिट्जकर पर अपना ध्यान केंद्रित किया। वह शिकागो में नेशनल गार्ड तैनाती संबंधी व्हाइट हाउस की योजनाओं का विरोध कर रहे हैं।

मजाक: गोबल, तुम्हें बिना शर्त माफ किया जाता है : रोज गार्डन में बैठे श्रोता हंसी-ठिठोली भी करते देखे गए। आखिरकार ट्रंप ने टर्की गोबल और वैडल को माफ किया। ट्रंप ने कहा- गोबल, मैं तुम्हें बस यह बताना चाहता हूं कि तुम्हें बिना शर्त के माफ किया जाता है। उन्होंने पंखों पर हाथ फेरते हुए कहा, इस खूबसूरत पक्षी को कौन नुकसान पहुंचाना चाहेगा? वैडल को पहले व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में देखा गया था। अमेरिका में हर थैंक्सगिविंग डे पर लोग करीब 4.6 करोड़ टर्की पक्षियों को अपना भोजन बना लेते हैं। यह पक्षी अमेरिकी जनता का नियमित भोजन है। हालांकि परंपरा के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति थैंक्सगिविंग डे पर हर साल दो टर्की को क्षमादान देते हैं। ट्रंप ने भी इसी परंपरा का पालन किया। ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में थैंक्सगिविंग खाने की कीमतें कम हो रही हैं। बता दें, वाशिंगटन में, ट्रंप को अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से पूर्व रिपब्लिकन गठबंधन के टूटने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी की रिश्तेदार हिरासत में, ब्राजील डिपोर्ट किया जा सकता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट के भतीजे की मां, ब्रूना कैरोलाइन फेरेरा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें जल्द ही ब्राजील वापस भेजा जा सकता है।

यह मामला तब सामने आया जब आईसीई अधिकारियों ने उन्हें मैसाचुसेट्स से पकड़कर लुइसियाना की एक डिटेंशन सेंटर में भेज दिया। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि ब्रूना एक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आई थीं, लेकिन उनका वीजा 1999 में खत्म हो गया था। उनका आरोप है कि ब्रूना ने वीजा की टाइम लिमिट पार कर दी और उन पर हमले के शक में कार्रवाई की गई है।

ब्रूना के वकील टॉड पोमरलीउ इन बातों से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ब्रूना पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। वे डीएसीए नाम के उस सरकारी प्रोग्राम के तहत कानूनी तौर पर अमेरिका में रह रही थीं, जो बच्चों के तौर पर आए लोगों को सुरक्षा देता है। वकील का यह भी कहना है कि ब्रूना ग्रीन कार्ड लेने की प्रोसेस में थीं और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लेने से उनका छोटा बच्चा भी उनसे अलग हो गया। ब्रूना के 11 साल के बेटे की परवरिश उसके पिता माइकल लेविट कर रहे हैं, जो कैरोलीन लेविट के भाई हैं। माइकल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता उनके बेटे की सुरक्षा और उसकी प्राइवेसी है। ट्रम्प प्रशासन ने इस साल से इमिग्रेशन कानूनों को बेहद सख्ती से लागू करना शुरू किया है। सरकार का कहना है कि जो भी लोग अमेरिका में बिना इजाजत के रह रहे हैं, उन्हें देश से निकाला जा सकता है।

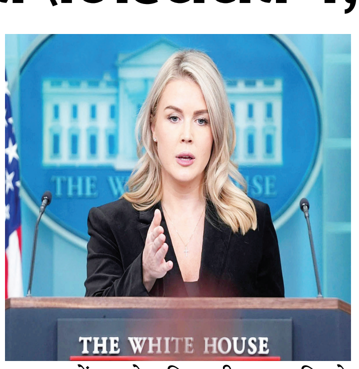

1998 में आई थीं अमेरिका, अब हटाए जाने की कार्यवाही जारी : ब्रूना फरेइरा को 1998 में बचपन में ही अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता के मुताबिक, उन्होंने 1999 में अपने टूरिस्ट वीजा अवधि से ज्यादा ठहराव किया था और उन पर हमला करने का भी एक मामला दर्ज हुआ था। ष्ठ॥स् का कहना है कि इन्हीं आधारों पर वर्तमान में उन्हें निष्कासन की प्रक्रिया में रखा गया है।

बता दें कि डीएसीए यानी 'बचपन में आगमन के लिए विलंबित कार्रवाई' एक अमेरिकी आव्रजन नीति है जो 15 जून, 2012 तक कम से कम पांच साल के लिए बचपन में अमेरिका लाए गए कुछ अपात्र अप्रवासियों को निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा और काम करने की अनुमति देती है। यह कार्यक्रम दो साल के लिए वैध होता है और इसे रिन्यू किया जा सकता है।

वकील का दावा: ट्रंप प्रशासन की वजह से डीएसीए नवीनीकरण में बाधा उनके वकील पोमेरलो का कहना है कि फरेइरा पहले डीएसीए लाभार्थी थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यक्रम समाप्त करने की कोशिश के कारण उनका नवीनीकरण रुक गया। वकील के अनुसार, फरेइरा फिलहाल अपने लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने की वैध प्रक्रिया में थीं।

परिवारिक पृष्ठभूमि: लेविट परिवार से पुराना संबंध : सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फरेइरा ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के भाई माइकल लेविट की पूर्व मंगेतर हैं। दोनों का एक 11 वर्षीय बेटा है, जो वर्तमान में अपने पिता के साथ न्यू हैम्पशायर में रहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से आपस में संपर्क में नहीं हैं। फरेइरा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह अपने बेटे को लेने न्यू हैम्पशायर जा रही थीं। माइकल लेविट ने सीएनएन की सहयोगी संस्था डब्लयूएमयूआरसे कहा कि उनके बेटे ने मां से गिरफ्तारी के बाद बात नहीं की है और यह स्थिति बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान उनके बच्चे की भलाई पर है।

डीएसीए सुरक्षा पर सरकार का रुख : हाल ही में होमलैंड सिक्योरिटी की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने दोहराया कि डीएसीए लाभार्थियों को निर्वासन से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएसीए स्थायी कानूनी स्थिति नहीं देती बल्कि यह सिर्फ अस्थायी राहत है और इस दौरान भी प्रवर्तन की कार्रवाई संभव है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।